

# भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन

## स्वाधीनता आन्दोलन के प्रारंभिक वर्ष

- ❖ राष्ट्र एक भावनात्मक /अमूर्त इकाई मानी जाती हैं और जब किसी राज्य के लोगों में रीति-रिवाज परम्परा विरासत संस्कृति आदि के आधार पर एकता का बोध होता है तो यही भावना राज्य को राष्ट्र में बदल देती है।

## ⇒ भारत में राष्ट्रवाद की उत्पत्ति के कारण

- ❖ आधुनिक शिक्षा व मध्य वर्ग का उदय
- ❖ रेलवे डाक-तार जैसे तीव्र संचार व परिवहन व्यवस्थाओं की स्थापना।
- ❖ प्रेस व साहित्य की भूमिका
- ❖ आर्थिक, प्रशासनिक एकीकरण
- ❖ भारत में गौरवमयी अतीत की खोज
- ❖ सामाजिक धार्मिक सुधार आंदोलन व विवेकानन्द जैसे विचारकों की प्रेरणा।
- ❖ वायसराय लिटन व कर्जन की प्रतिक्रियावादी नीति।
- ❖ इल्वर्ट बिल विवाद।
- ❖ अंतर्राष्ट्रीय घटनाओं का प्रभाव।
- ❖ सामाजिक-धार्मिक सुधार का प्रसार, मध्यवर्ग का उदय तथा ब्रिटिश शासन के आर्थिक परिणाम ने भारत में राष्ट्रवादी आकांक्षा को जन्म दिया।
- ❖ पाश्चात्य शिक्षा की भूमिका ने भी भारत में राष्ट्रवाद को पनपने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।
- ❖ आधुनिक पाश्चात्य शिक्षा ने शिक्षित भारतीयों को एक तार्किक, धर्म निरपेक्ष, प्रजातांत्रिक तथा राष्ट्रवादी राजनीतिक दृष्टिकोण प्रदान किया।
- ❖ भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन को मुख्य रूप से तीन चरणों में विभाजित किया जाता है—
  - प्रथम चरण (1885-1905 ई०)
  - द्वितीय चरण (1905- 1919 ई०)
  - तृतीय चरण (1919-1947 ई०)

- ❖ भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के प्रथम चरण की मुख्य घटना भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना थी।
- ❖ इस संस्था का प्रतिनिधित्व शिक्षित मध्यवर्गीय बुद्धिजीवी वर्ग कर रहा था जो पश्चिम की उदारवादी एवं अतिवादी विचारधारा से प्रेरित था।
- ❖ भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के द्वितीय चरण में कांग्रेस परिपक्व होने के साथ अपने उद्देश्यों और सीमाओं का विस्तार कर चूकी थी।
- ❖ अब यह संस्था सामाजिक-आर्थिक, राजनीतिक तथा सांस्कृतिक विकास के लिए प्रयत्नशील थी, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के इसी चरण में कांग्रेस में उद्गवादी गुट का सृजन हुआ।
- ❖ राष्ट्रीय आंदोलन का तृतीय एवं अंतिम चरण पूरी तरह गांधी जी के नेतृत्व में रहा, इस चरण में कांग्रेस ने पूर्ण स्वराज्य को प्राप्त करने के लक्ष्य पर कार्य किया।

## कांग्रेस से पूर्व स्थापित राजनीतिक संस्थायें

- ❖ औपनिवेशिक शासन के दौरान अपनी मांग रखने के लिए संगठन निर्माण की प्रक्रिया 1830 के दशक से शुरू हुई किन्तु आरम्भ में इन संगठनों का नेतृत्व वर्गीय स्वार्थी हितों पर आधारित था।
- ❖ किन्तु 1870 का दशक आते-आते संगठनों की स्थापना व नेतृत्व शिक्षित मध्यम वर्ग करने लगा, आरंभ में इनमें क्षेत्रीयता का भाव अधिक था इसलिए बम्बई प्रेसीडेंसी व मद्रास महाजन सभा जैसी संस्थाएँ बनी किन्तु धीरे-धीरे राष्ट्रवाद की बढ़ती चेतना ने ऐसी परिस्थितियाँ पैदा कर दीं कि एक वृहद राष्ट्रीय मंच स्थापित हो और इसी की प्रणनति अखिल भारतीय कांग्रेस की स्थापना के रूप में हुई।
- ❖ 1837 में द्वारका नाथ टैगोर के नेतृत्व में लैण्ड होल्डर्स सोसायटी की स्थापना कलकत्ता में हुई। यह संगठन जमींदारों के हितों की रक्षा को समर्पित था। और यह भारत का पहला राजनीतिक संगठन था।
- ❖ ब्रिटेन में भारतीय जमींदारों के हितों को सरकार से अवगत कराने हेतु 1851 ई० में ब्रिटिश इण्डिया एशोसिएशन की स्थापना की गई थी।

### रोजगार पब्लिकेशन

- ❖ 1866 ई० में दादा भाई नौरोजी ने लंदन में ईस्ट इण्डिया एसोसिएशन की स्थापना की थी जिसका उद्देश्य ब्रिटिश सरकार को भारतीयों की समस्याओं से अवगत कराना था।
- ❖ 1870 में रानाडे वसुदेव व एस०एच० चिपलुकर जोशी के नेतृत्व में पूना सार्वजनिक सभा की स्थापना की गयी जो एक सामाजिक, राजनीतिक संगठन और सरकार व जनता के बीच अपने आपको सेतु के रूप में सामने आया था। इसी संस्था ने पहली बार 1875 में ब्रिटिश संसद के समक्ष भारतीयों को प्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व देने की माँग की।
- ❖ 1875 ई० में शिशिर घोष द्वारा इण्डिया लीग की स्थापना की गयी।
- ❖ 1876 ई० में सुरेन्द्र नाथ बनर्जी के नेतृत्व में इण्डियन एसोशिएशन की स्थापना की गई।
- ❖ 1885 ई० में फिरोजशाह मेहता बद्रुल्दीन तैयब तथा केंटी० तैलंग के प्रयास से बम्बई प्रेसीडेंसी एसोसिएशन की स्थापना की गयी।

### भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना

- ❖ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना अवकाश प्राप्त अंग्रेज अधिकारी एलन अक्टोवियन हूम द्वारा 1885 में की गयी।
- ❖ इससे पहले हूम ने 1884 में भारतीय राष्ट्रीय संघ की स्थापना की थी। जिसका प्रथम अधिवेशन ए०ओ० हूम के नेतृत्व में 28 दिसम्बर, 1885 को बम्बई के गोकुलदास तेजपाल संस्कृत विद्यालय में आयोजित किया गया था।
- ❖ कांग्रेस का स्थापना सत्र पहले पूना में आयोजित होना था परंतु वहाँ प्लेग फैल जाने के कारण स्थान बदलकर बम्बई का तेजपाल संस्कृत विद्यालय चुना गया। इस प्रथम अधिवेशन में कुल 72 प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। जिसमें अधिकांश पत्रकार व वकील थे।
- ❖ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का पहला अध्यक्ष होने का गौरव व्योमेश चन्द्र बनर्जी को प्राप्त हुआ।
- ❖ भारतीय राष्ट्रीय संघ को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पूर्ववर्ती संस्था माना जाता है।
- ❖ कांग्रेस का दूसरा अधिवेशन कलकत्ता में हुआ जिसकी अध्यक्षता दादा भाई नौरोजी को मिली इस सम्मेलन में कुल 343 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।
- ❖ कांग्रेस का तीसरा अधिवेशन मद्रास में हुआ इसकी अध्यक्षता बद्रुल्दीन तैयब जी ने किया था जो कांग्रेस के पहले मुस्लिम अध्यक्ष बने। इसमें कुल 607 प्रतिनिधियों ने भाग लिया था।
- ❖ कांग्रेस का चौथा अधिवेशन इलाहाबाद में हुआ इस अधिवेशन की अध्यक्षता जार्ज यूल ने की थी जो कांग्रेस के पहले यूरोपियन अध्यक्ष बने। इस अधिवेशन में कुल 1248 प्रतिनिधियों ने भाग लिया था।

- ❖ कांग्रेस की स्थापना से जुड़े सबसे प्रचलित विवाद 'सेफरी बाल्च सिद्धांत' है जिसके अनुसार अंग्रेजों ने जानबूझकर सिविल सर्वेन्ट हूम के द्वारा कांग्रेस की स्थापना करायी।
- ❖ इस सिद्धांत का सर्वाधिक प्रचार लाला लाजपत राय ने किया और बाद में कांग्रेस के अध्यक्ष बने विलयम बेडनबार्ग ने हूम के जीवनी नामक पुस्तक लिखी।

### कांग्रेस से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य

- ❖ कांग्रेस 'लोगों का समूह शब्द की उत्पत्ति अमेरिका के इतिहास से हुयी है।
- ❖ भारतीय राष्ट्रीय संघ की स्थापना का विचार डफरिन के दिमाग की उपज थी।
- ❖ भारतीय राष्ट्रीय संघ का नाम भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, दादा भाई नौरोजी के सुझाव पर रखा गया था।
- ❖ कांग्रेस के प्रथम अधिवेशन में सुरेन्द्रनाथ बनर्जी ने हिस्सा नहीं लिया था।

### कांग्रेस से संबंधित विशेष टिप्पणी

- ❖ 'कांग्रेस के लोग पदों के भूखे हैं—बंकिम चन्द्र चटर्जी
- ❖ "कांग्रेस आन्दोलन न तो लोगों द्वारा प्रेरित था और न ही उनके द्वारा सोचा या योजनाबद्ध किया गया।"—सर सैयद अहमद खां
- ❖ कांग्रेस सम्मेलन तीन दिन का तमाशा है—अश्वनी कुमार दत्त
- ❖ वह जनता के उस अल्पसंख्यात्मक वर्ग का प्रतिनिधित्व करती है जिसकी संख्या सूक्ष्म है—डफरिन
- ❖ "यदि वर्ष में हम एक बार मेंढक की तरह टर्टाएँ तो हमें कुछ नहीं मिलेगा—बाल गंगाधर तिलक

### कांग्रेस के प्रमुख अधिवेशन

वर्ष	स्थान	अध्यक्ष	तथ्य
1885	बम्बई	डब्ल्यू० सी० बनर्जी	प्रथम हिन्दू अध्यक्ष
1886	कलकत्ता	दादा भाई नौरोजी	प्रथम पारसी अध्यक्ष
1887	मद्रास	बद्रुल्दीन तैयब जी	कांग्रेस के पहले मुस्लिम अध्यक्ष। सर सैयद अहमद ने इन्हें पत्र लिखकर कांग्रेस से जुड़ने की सलाह दी थी।

## रोजगार पब्लिकेशन

1888	इलाहाबाद	जार्ज यूल	प्रथम यूरोपीय अध्यक्ष (स्वतंत्रता से पहले कांग्रेस के कुल चार यूरोपीय अध्यक्ष बने)
1905	बनारस	गोपाल कृष्ण गोखले	पहली बार कांग्रेस के अधिवेशन में बहिष्कार प्रस्ताव स्वीकार किया।
1906	कलकत्ता	दादा भाई नौरोजी	पहली बार स्वेदेशी व बहिष्कार प्रस्ताव पारित किया गया।
1907	सूरत	रासबिहारी बोस	कांग्रेस का विभाजन नरमपंथी व गरमपंथी में स्पष्ट हो गया। पहले यह सम्मेलन पूना में होना था किंतु वहां तिलक का प्रभाव अधिक होने के कारण इसे सूरत ले आया गया।
1916	लखनऊ	अम्बिका चरण मजूमदार	उदारवादियों व गरम दल का मिलन तथा कांग्रेस व मुस्लिम लीग में समझौता।
1917	कलकत्ता	एनी बेसेंट	प्रथम महिला अध्यक्ष
1924	बेलगाँव	महात्मा गांधी	मात्र एक बार गांधी जी यहां अध्यक्ष बने।
1925	कानपुर	सरोजनी नायडू	पहली भारतीय महिला अध्यक्ष
1929	लाहौर	जवाहरलाल नेहरू	पहली बार स्वतंत्रता का प्रस्ताव लाया गया।
1930	प्रथम वर्ष जब कोई अधिवेशन नहीं हुआ।		
1931	कराची	सरदार पटेल	पहली बार किसानों के लिए आर्थिक नीति का प्रस्ताव तथा मौलिक अधिकार प्रस्ताव पारित किया गया।
1936	फैजपुर	जवाहरलाल नेहरू	कांग्रेस का स्वर्ण जयंती अधिवेशन तथा किसी गाँव के होने वाला पहला अधिवेशन था।
1938	हरिपुरा	सुभाष चन्द्र बोस	राष्ट्रीय योजना समिति का गठन

1939	त्रिपुरी	डॉ राजेन्द्र प्रसाद	प्रारम्भ में सुभाषचन्द्र बोस को अध्यक्ष्या चुना गया था। परंतु गांधीजी की असहमति के कारण पदत्याग दिया था तथा फारवर्ड ब्लाक नामक संगठन की स्थापना की।
1940	रामपुर	मौलाना अबुल कलाम आजाद	द्वितीय विश्व युद्ध के कारण 1940-1945 तक कांग्रेस के अध्यक्ष रहे।
1946	मेरठ	आचार्य जे०वी० कृपालानी	आजादी के समय कृपालानी ही अध्यक्ष थे और आजादी के बाद पहले अध्यक्ष के रूप में राजेन्द्र प्रसाद निर्वाचित हुए।

## ⇒ अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- ❖ 1896 ई० में पहली बार गरमपंथियों वंदेमातरम गाया गया तथा 1911 ई० में पहली बार जन गण मन गाया गया था।
- ❖ 1926 ई० में कांग्रेस का एकमात्र अधिवेशन पूर्वोत्तर गुवाहाटी में हुआ।
- ❖ आजादी के बाद गांधी जी ने कांग्रेस को विघटित करने की सलाह दी थी।
- ❖ 1955 ई० में आवडी के वार्षिक अधिवेशन में कांग्रेस ने समाज का समाजवादी प्रतिरूप स्वीकार किया।

## उदारवादी चरण (1885-1905)

- ❖ कांग्रेस का आरंभिक नेतृत्व उदारवादी कहलाया क्योंकि वे संवैधानिक तरीके से स्वशासन की प्राप्ति चाहते थे।
- ❖ इनका लक्ष्य अनुनय-विनय प्रतिवेदन, भाषणों तथा लेखों आदि माध्यमों से ब्रिटिश सरकार के सम्मुख अपनी माँगें प्रस्तुत करना था।
- ❖ उदारवादियों की प्रारंभिक माँगों में राजनैतिक आर्थिक व प्रशासनिक विषय शामिल किए गए किन्तु आरम्भ में सामाजिक विषय को शामिल नहीं किया गया क्योंकि इससे वर्ग संघर्ष की स्थिति उभर सकती थी।
- ❖ औपनिवेशिक शासन की आर्थिक समीक्षा उदारवादियों की सर्वाधिक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी गयी क्योंकि आर०सी० दत्त व नौरोजी जैसे विचारकों ने भारत की गरीबी, भूखमरी व अकालों का कारण ब्रिटिश आर्थिक नीति को माना है।

### उदारवादियों की माँगें

- ❖ प्रशासनिक व राजनैतिक माँगों में सिविल सेवा के भारतीयकरण और विधानसभाओं का विस्तार तथा चुने हुए सदस्यों की सहभागिता की माँगें।
- ❖ न्यायिक अधिकारों को, कार्यकारी अधिकारों में पृथक किया जाए।
- ❖ ऑस्ट्रेलिया कनाडा जैसे स्वशासित उपनिवेशों की तर्ज पर ब्रिटिश साम्राज्य के अंदर रहकर स्वशासन का दावा पेश किया।
- ❖ राज्य की ओर से कल्याणकारी कार्यों की मांग प्राथमिक शिक्षा के प्रसार तथा तकनीकी व उच्च शिक्षा की सुविधाएँ बढ़ानें की माँग, सिंचाई योजना व कृषि बैंकों की स्थापना की मांग की गयी।
- ❖ लोकतांत्रिक स्वतंत्रता की माँग।
- ❖ उदारवादी नेताओं में प्रमुख थे—
  1. दादा भाई नौरोजी
  2. सुरेन्द्रनाथ बनर्जी
  3. गोपाल कृष्ण गोखले
  4. फिरोजशाह मेहता
  5. मदन मोहन मालवीय
  6. दीनशा वाचा
- ❖ उदारवादी नेताओं ने अपनी माँगें मनवाने के उद्देश्य से ब्रिटेन में दादाभाई नौरोजी की अध्यक्षता में 1887 में “भारतीय सुधार समिति” की स्थापना की।
- ❖ 1888 में विलियम डिङ्गी की अध्यक्षता में लंदन में ‘ब्रिटिश कमेटी ऑफ इण्डिया’ की स्थापना की गयी।
- ❖ उदारवादी नेता दादा भाई नौरोजी को ‘ग्रेंड ओल्ड मैन आफ इण्डिया’ कहा जाता था।
- ❖ गोपाल कृष्ण गोखले ने 1905 में सर्वेन्ट सोसाइटी ऑफ इण्डिया की स्थापना की।
- ❖ सुरेन्द्र नाथ बनर्जी ने बंगाली नामक पत्र निकाला और इण्डिया इन मेंकिंग नामक पुस्तक लिखी।
- ❖ दादा भाई नौरोजी प्रथम भारतीय थे जो ब्रिटिश संसद में सदस्य बने और तीन बार कांग्रेस के अध्यक्ष बनने वाले पहले व्यक्ति थे।
- ❖ उग्रवादियों ने उदारवादियों की आलोचना करते हुए कहा कि यह नेतृत्व भिक्षुक की तरह है और यह कोई उपलब्धि हासिल न कर सका और साथ ही कांग्रेस को तीन दिवसीय तमाशा कहा।

### उग्रवादी चरण (1905-1913)

- ❖ उदारवाद की असफलता के बाद मुख्यतः युवाओं ने गैर संवैधानिक तरीकों को अपनाते हुए स्वराज को अपना लक्ष्य चुना इसलिए वे उग्रवादी कहलाए।
- ❖ उग्रवादी नेताओं में उग्राष्ट्र को जन्म देने वाले कारण
  - ❖ गौरवमयी अतीत की खोज।
  - ❖ 1896-1900 ई० के बीच भयंकर अकाल के बाद, दूसरे दिल्ली दरवार (1903) ई० का आयोजन, जिसमें भारी व्यय किया गया।

- ❖ विवेकानन्द जैसे विचारकों की प्रेरणा।
- ❖ तिलक व राष्ट्रवादी नेताओं पर राजद्रोह का मुकदमा लगाकर लेने कारावास की सजा दिया जाना।
- ❖ ब्रिटिश सरकार की दमनकारी नीति
- ❖ ताल्कालिक अन्तर्राष्ट्रीय घटनाओं का प्रभाव।
- ❖ उग्रवादी मूलतः पुनर्स्थापनावादी थे अर्थात् अपने प्राचीन मूल्यों के स्थापना करना चाहते थे इसलिए उन्होंने पश्चिमीकरण व अंग्रेजों की शिक्षा का विरोध किया और स्वदेशी का समर्थन किया।
- ❖ उग्रवादी भारत के आधुनिकीकरण के लिए अंग्रेजों की भूमिका नहीं स्वीकारते थे।
- ❖ इसी बीच जब 1905 ई० में बंगाल के विभाजन का निर्णय हुआ तो उदारवादी इसे केवल बंगाल में ही सीमित रखना चाहते थे। इसके बढ़ते मतभेदों ने अंततः 1907 ई० में सूरत अधिवेशन में कांग्रेस का विभाजन करा दिया।
- ❖ अन्ततः उग्रवादी नेताओं का मानना था कि हाथ-पांव जोड़कर अंग्रेजों से प्रार्थनायें करने तथा स्वतंत्रता की भीख मांगने से कभी स्वतंत्रता नहीं मिल सकती उसके लिए स्वावलंबन, संगठन और संघर्ष की आवश्यकता होती है।
- ❖ लाई कर्जन की नीतियाँ उग्रवाद को जन्म देने में अग्रणी थीं कांग्रेस ने कांग्रेस को ‘गंदी चीज’ तथा देशद्रोही संगठन की संज्ञा दी।

### अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- ❖ लालालाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक, विपिनचन्द्र पाल उग्राष्ट्रवादियों के तीन प्रमुख नेता थे।
- ❖ तिलक ने, केसरी, विपिन चन्द्र पाल ने ‘न्यू इण्डिया’ तथा लालाजपत राय ने ‘पंजाबी’ नामक पत्रों के माध्यम से ब्रिटिश सरकार का विरोध किया।
- ❖ बाल गंगाधर तिलक ने ‘गीता रहस्य’ नामक पुस्तक की रचना की।
- ❖ 1916 ई० में होमरूल लीग की स्थापना की गई थी।
- ❖ बाल गंगाधर तिलक ने प्रसिद्ध नारा “स्वराज मेरा जन्म स्व अधिकार है” दिया।
- ❖ वेलेन्टाइल शिरोल ने बाल गंगाधर तिलक ‘भारतीय अशांति व जनक’ कहा।
- ❖ अरविन्द घोष ने “न्यू लैंप फॉर द ओल्डस” नामक चर्चित लेखकर भारत में पहली बार निष्क्रिय प्रतिरोध का विचार रखा।
- ❖ ‘डिवाइन लाइफ’ अरविन्द घोष की सबसे लोकप्रिय पुस्तक।
- ❖ पाल, बाल, लाल को उग्रवाद की त्रिमूर्ति कहा गया।

- ❖ लाला लाजपत राय ने 'द पीपुल व यंग इण्डिया नामक पत्रों के लेखन से संबंधित रहे।

- ❖ लाला लाजपत राय ने 1920 ई० में स्थापित ऑल इण्डिया ट्रेड यूनियन कॉंग्रेस की पहली अध्यक्षता की थी।

## स्वदेशी आन्दोलन/बंगाल विभाजन

- ❖ बंगाल विभाजन का प्रस्ताव एण्ड्रयू फ्रेजर ने रखा था जो 1905 में विलियम बर्ड के दिमाग की उपज था।
- ❖ वैसे तो सर्वप्रथम 1903 ई० में बंगाल विभाजन का विचार सामने आया था जिसका राष्ट्रवादियों ने प्रबल विरोध किया था किन्तु इसके बावजूद लार्ड कर्जन ने 20 जुलाई 1905 ई० में बंगाल विभाजन की घोषणा कर दी, इसके पश्चात् 16 अक्टूबर 1905 ई० को बंगाल का विभाजन कर दिया गया।
- ❖ बंगाल उस समय राष्ट्रीय चेतना का केन्द्र बिन्दु था और इसी चेतना को नष्ट करने हेतु बंगाल विभाजन का निर्णय लिया गया था।
- ❖ बंगाल विभाजन में एक और कारण हिन्दू व मुस्लिमों में धार्मिक आधार पर विभाजन करना था।
- ❖ बंगाल के विस्तृत क्षेत्रफल व प्रशासनिक असुविधा को आधार बनाते हुए बंगाल दो भागों में बाँटा गया यथा पूर्वी बंगाल तथा पश्चिमी बंगाल
- ❖ कर्जन की वास्तविक मंशा 'फूट डालो राज करो के सिद्धांत पर जिसका उद्देश्य राष्ट्रवाद को कमज़ोर करना था।
- ❖ विभाजन के बाद पूर्वी बंगाल और असम को मिलाकर एक नया प्रांत बनाया गया जिसमें राजशाही, चटगाँव, ढाका आदि सम्मिलित थे, जहाँ की जनसंख्या 3 करोड़ दस लाख थी, जिसमें एक करोड़ अस्सी लाख मुसलमान तथा एक करोड़ बीस लाख हिन्दू थे।
- ❖ विभाजित बंगाल के दूसरे भाग में पश्चिम बंगाल, बिहार और उड़ीसा शामिल थे जिसकी कुल जनसंख्या पाँच करोड़ चालीस लाख थी जिसमें चार करोड़ बीस लाख हिन्दू और नव्वे लाख मुसलमान थे।
- ❖ 16 अक्टूबर 1905 ई० के दिन पूरे बंगाल में शोक दिवस के रूप में मनाया गया और हिन्दू-मुस्लिम एकता के लिए रक्षाबंधन दिवस भी मनाया गया और समस्त बंगाल में सभा समितियों के माध्यम से विरोध प्रदर्शनों का दौर शुरू हो गया।
- ❖ लोगों ने उपवास रखा, बंदे मातरम् का गीत गाया और एक दूसरे को राखी बाँधी।
- ❖ सभी राष्ट्रवादी नेताओं व संस्थाओं ने बंग भंग का विरोध किया किन्तु 1906 ई० में मुस्लिम लीग ने इसका समर्थन किया।
- ❖ बंगाल विभाजन पर गोपाल कृष्ण गोखले ने कहा कि यह एक निर्मम भूल है।

- ❖ कॉंग्रेस ने 1905 ई० के बनारस अधिवेशन में स्वदेशी तथा बहिष्कार आंदोलन का अनुमोदन किया।
- ❖ स्वदेशी आंदोलन का प्रभाव शीघ्र ही देखने को मिला 15 अगस्त 1906 ई० को एक राष्ट्रीय शिक्षा परिषद की स्थापना की गई।
- ❖ आचार्य पी० सी० राय ने बंगाल केमिकल्स एवं फार्मास्युटिकल्स की स्थापना की।
- ❖ रवीन्द्रनाथ टैगोर ने इसी समय 'आमार सोनार बांगला' (1912) नामक गीत लिखा जो बाद में बांग्लादेश का राष्ट्रीय गान बना।
- ❖ स्वदेशी आन्दोलन ने देश के एक बड़े हिस्से को अपने प्रभाव में लिया जिसमें जमींदार, शहरी वर्ग, निम्न मध्यमवर्ग, छात्र तथा महिलाएँ शामिल थीं।
- ❖ किसान एवं बहुसंख्यक मुस्लिम समुदाय स्वदेशी और बहिष्कार आंदोलन से अलग रहा।
- ❖ महात्मा गांधी ने कहा कि "भारत का वास्तविक जागरण बंगाल विभाजन के उपरान्त शुरू हुआ।
- ❖ बंगाल विभाजन के विरोध में हो रहे आन्दोलन को दबाने के लिए अंग्रेजों द्वारा 10 अक्टूबर 1905 को कालाइल को लाया गया।
- ❖ बंग भंग के विरोध में शीघ्र ही 1907 ई० में स्वदेशी आन्दोलन लोकप्रिय होने लगा वस्तुतः स्वेदशी विचारधारा तो 19वीं सदी के अंत में ही प्रचलित हो चली थी किन्तु अब इसने आंदोलन का रूप धारण कर लिया।
- ❖ स्वदेशी आन्दोलन भारत का पहला ऐसा आन्दोलन था जिसमें बहिष्कार के साथ ही रचनात्मक कार्यों को भी शामिल किया गया और सभी महत्वपूर्ण विषयों में स्वदेशीकरण को बढ़ावा दिया गया।
- ❖ बंगाल में राष्ट्रीय कालेज खोला गया जिसके प्रथम प्रधानाचार्य अरविन्द घोष बने।
- ❖ रवीन्द्रनाथ टैगोर के नेतृत्व में शांति निकेतन और सतीश चन्द्र मुखर्जी के द्वारा 'डाउन सोसाइटी' की स्थापना की गयी।
- ❖ स्वदेशी कला को प्रोत्साहित करने के लिए इण्डियन सोसाइटी फॉर ओरिएन्टल आर्ट्स की स्थापना की गयी जिसकी पहली छात्रवृत्ति नंद लाल घोष को दी गयी।
- ❖ कृष्ण कुमार मित्रा ने अपनी पत्रिका संजीवनी के माध्यम से बहिष्कार के विचार को प्रसारित किया और शीघ्र ही स्वदेशी आन्दोलन बंगाल से बाहर भी प्रसारित होने लगा।

## रोजगार पब्लिकेशन

क्षेत्र	नेतृत्व
पंजाब	लाला लाजपतराय व सरदार अजीत सिंह
मुम्बई	बाल गंगाधर तिलक
मद्रास	सुब्रामण्यम् अच्युत व चिदम्बरम् पिल्लई
दिल्ली	मिर्जा हैदर

- ❖ 1906 ई० में जब बारीसाल नामक स्थान पर अब्दुल रसूल की अध्यक्षता में शोषणकारी करों के विरोध में शांतिपूर्ण सम्मेलन कर रहे थे तो पुलिस ने लाठी चार्ज कराया। कुछ विद्वान इसे बंगाल का जलियावाला बाग कहते हैं।
- ❖ बंग भंग का भारी विरोध देखते हुए अंततः 1911 ई० में यह निर्णय वापस लेना पड़ा और इसी वर्ष भारत की राजधानी कलकत्ता से दिल्ली स्थानांतरित करने की घोषणा की गई थी।

## क्रांतिकारी आन्दोलन तथा उग्र राष्ट्रवाद का उदय

- ❖ इस दौर की क्रांतिकारी गतिविधियों का मुख्य कारण अलग-अलग क्षेत्र में प्रशासनिक शोषण और अधिकारियों का दुर्व्यवहार रहा है।
- ❖ उदारवाद नीति की असफलता भारत में गौरवमय
- ❖ 1856 ई० में एक छोटे अफ्रीकी राष्ट्र अविसीनिया, इथोपिया द्वारा इटली को पराजित करना और 1805 ई० में जापान द्वारा रूस को हराना।
- ❖ भारत में क्रांतिकारी गतिविधियों का प्रारंभ 1897 ई० में महाराष्ट्र से माना जाता है।
- ❖ 1897 ई० में बालगंगाधर तिलक को महाराष्ट्र में किया गया परंतु उन्होंने माफी माँगने से इंकार कर दिया व 18 माह की कड़ी सजा काटी।
- ❖ पूना प्लेग समिति के अध्यक्ष रैण्ड तथा एमहर्स्ट की 22 जून 1897 ई० की चापेकर बंधुओं ने हत्या कर दी क्योंकि प्लेग की जाँच के बहाने युवाओं का शोषण किया जा रहा था। कालांतर में चापेकर बंधु को फांसी की सजा दे दी गयी।
- ❖ 1908 ई० में खुदीराम बोस व प्रफुल्ल चाकी ने मुजफ्फरपुर के बदनाम न्यायाधीश किंग्सफोर्ड के काफिले पर बम फेंका और असफल रहने के बाद प्रफुल्ल चाकी ने स्वयं की गोली मार ली और खुदीराम बोस फांसी पर चढ़ने वाले भारत के सबसे युवा शहीद बने।
- ❖ 1915-16 में जब राजनैतिक डॉकैतियाँ अपने चरम पर थीं तो बालसोर में पुलिस मुखर्जी व बाधा जतिन शहीद हो गये।

- ❖ महाराष्ट्र में विनायक दामोदर सावरकर ने 1904 ई० में 'अभिनव भारत समाज' की स्थापना की। विनायक दामोदर सावरकर द्वारा 1899 ई० में स्थापित मित्र मेला नामक संस्था ही कालान्तर में अभिनव भारत समाज के रूप में प्रसिद्ध हुई।
- ❖ क्रांतिकारी गतिविधियों को व्यवस्थित रूप देने के लिए बंगाल व पहला क्रांतिकारी गुप्त संगठन अनुशीलन समिति 1902 ई० को गयी।
- ❖ बंगाल विभाजन के उपरान्त अनेक क्रांतिकारी समाचार पत्रों का बंगाल से प्रकाशन हुआ जिसमें प्रमुख है। ब्रह्मबान्धव उपाध्याय द्वारा प्रकाशित संध्या, अरविन्द घोष द्वारा सम्पादित बन्देमातरम् भूपेन्द्र नाथ दत्त द्वारा सम्पादित युगान्तर इत्यादि।
- ❖ बंगाल में एक महान क्रांतिकारी रास बिहारी बोस थे। कलकत्ता से दिल्ली राजधानी परिवर्तन के समय लार्ड हार्डिंग पर फेंके गये बम की योजना रास बिहारी ने बनाई थी (22 दिसम्बर 1912)। गिरफ्तारी से बचने के लिए बोस जापान चले गये। इस बार गिरफ्तार किये गये लोगों पर 'दिल्ली पड़वंत्र केस' के तहत मुकदमा चलाया गया था।
- ❖ क्रांतिकारियों का सबसे महत्वपूर्ण पत्र युगान्तर माना गया। इसके अतिरिक्त संध्या व काल भी महत्वपूर्ण क्रांतिकारी पत्र थे।
- ❖ बारिन्द्र घोष द्वारा रचित भवानी मंदिर भारतीय क्रांतिकारियों का पहली पुस्तक मानी गयी तथा बाद में सचिन्द्र सान्याल की पुस्तक बंदी जीवन को तो क्रांतिकारियों की अनिवार्य पुस्तक कहा जाने लगा।
- ❖ पंजाब में अजीत सिंह, सूफी अंबा प्रसाद, लाला लाजपत राय जैसे नेताओं ने क्रांतिकारी गतिविधियों को जन्म दिया।
- ❖ अजीत सिंह ने लाहौर में 'अंजुमने-मोहिव्वाने वतन' नामक एक संस्था की स्थापना की थी तथा 'भारत माता' नाम से अखबार निकाला था।
- ❖ प्रथम चरण के क्रांतिकारियों ने बम और पिस्टौल की रणनीति से अंग्रेजों में यह भय स्थापित करने का प्रयास किया कि भारत उनके लिए सुरक्षित जगह नहीं है। यद्यपि युवाओं को क्रांतिकारियों ने जोड़ने के लिए सांस्कृतिक और धार्मिक तत्वों का सहारा लिया गया।

## भारत से बाहर क्रान्तिकारी गतिविधियाँ

- ❖ 1904 में लंदन में श्याम जी कृष्ण वर्मा द्वारा इण्डियन होमरेसोसाइटी का गठन किया गया जो भारतीय क्रांतिकारियों ने प्रसारित करने के लिए छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता था।

- ❖ मदन लाल डिंगरा व सावरकर जैसे क्रांतिकारी इस संस्था से जुड़े थे।
- ❖ श्याम जी कृष्ण वर्मा ने 'सोशियोलॉजिस्ट' नामक पत्र निकाला तथा 'इंडिया हाउस' की स्थापना की।
- ❖ बर्लिन (जर्मनी) उस समय भारतीय क्रांतिकारियों का एक महत्वपूर्ण केन्द्र था। वीरेन्द्र चट्टोपाध्याय ने 1909 ई० के बाद बर्लिन से ही अपनी क्रांतिकारी गतिविधियों को जारी रखा।
- ❖ प्रथम विश्व युद्ध आरंभ होने के बाद लाल हरदयाल ने अपने साथियों के सहयोग से बर्लिन में 'भारतीय स्वतंत्रता समिति' का गठन किया। इसका उद्देश्य विदेशों में रह रहे भारतीयों को भारत की स्वतंत्रता के लिए प्रेरित करना था।
- ❖ प्रथम विश्वयुद्ध के समय ही काबुल (अफगानिस्तान) में महेंद्र प्रताप के नेतृत्व में दिसम्बर 1915 ई० में एक अस्थाई भारत सरकार का गठन किया गया। बरकतुल्ला इसके प्रधानमंत्री नियुक्त हुए। इस पार्टी के अध्यक्ष सोहन सिंह थे। इसे रूस तथा जर्मनी ने मान्यता प्रदान की।
- ❖ कर्नल वायली की लंदन में 1909 ई० में मदन लाल डिंगरा ने हत्या कर दी तथा सावरकर को 'नासिक घड़यंत्र' के सामान्य-कालापानी की सजा दी गई थी।
- ❖ श्याम जी कृष्ण वर्मा की एक अन्य सहयोगी मैडम भीका जी रूस्तम कामा जिन्हें 'भारतीय क्रांति की माँ' भी कहा जाता था, ने 1902 ई० में भारत के स्वतंत्रता का संदेश यूरोप के विभिन्न देशों तथा अमरीका आदि विभिन्न देशों में प्रचार के लिए भारत को छोड़ दिया।
- ❖ मैडम भीकाजी कामा ने विदेशों में रह रहे क्रांतिकारियों में समन्वय की भूमिका निभाई और अपनी गतिविधियों का केन्द्र पेरिस को चुना। इन्हें सफलता तब मिली जब इन्होंने जर्मनी के स्टूटगार्ड में अंतर्राष्ट्रीय समाजवादी सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व किया।
- ❖ सम्मेलन में भीकाजी कामा ने ब्रिटिश शासन के दुष्परिणामों के बारे में विचारोत्तेजक भाषण दिया, स्टूटगार्ड सम्मेलन में ही मैडम कामा ने पहली बार हरा, पीला और लाल रंग के राष्ट्रीय झण्डे को फहराया।
- ❖ इन्होंने 'वन्देमातरम्' नामक पत्र निकाला तथा पेरिस में ही रहकर क्रान्तिकारी गतिविधियों से जुड़ी रही।
- ❖ भारत से बाहर गये क्रांतिकारी अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, अफगानिस्तान तथा जर्मनी आदि देशों में रहते हुए क्रांतिकारी गतिविधियों को चलाया।

#### ⇒ गदर पार्टी

- ❖ 1913 ई० में सेन फ्रांसिस्को में लाला हरदयाल की अध्यक्षता में गदर पार्टी की स्थापना की गयी जिसमें सोहन सिंह भाकना द्वारा स्थापित हिन्दी एसोसिएशन ने प्रमुख भूमिका निभाई। इसके कार्यकर्ताओं में मुख्यतः पंजाब के किसान एवं भूतपूर्व सैनिक थे।

जो रोजगार की तलाश में कनाडा एवं अमेरिका के विभिन्न भागों में बसे हुए थे।

- ❖ रामनाथपुरी ने सरकुलर-ए-आजादी तथा वैकुंठर से तारकनाथदास ने 'फ्री हिन्दुस्तान' का प्रकाशन किया।
- ❖ गदर पार्टी के अन्य प्रमुख नेता रामचंद्र मुहम्मद नरकतुल्ला, रामदासपुरी, सोहन सिंह भाकना, करतार सिंह सराभा भाई परमानंद भगवान सिंह आदि थे।
- ❖ गदर (सापाताहिक पत्रिका) इस पार्टी की मुख्य पत्रिका थी। 1 नवम्बर 1913 ई० को इस पत्रिका का पहला अंक उर्दू में प्रकाशित हुआ तथा आगे चलकर इसे अन्य भाषाओं में भी प्रकाशित किया गया।
- ❖ गदर पत्रिका के नाम पर ही हिन्दू एसोसिएशन ऑफ अमेरिका का नाम 'गदर आंदोलन' पड़ा था।
- ❖ गदर आंदोलन के नेताओं का मानना था कि भारतीय दुर्दशा का मूल कारण भारत की गुलामी है अतः क्रान्ति व सशस्त्र विद्रोह के बल पर इन्होंने पंजाब से ब्रिटिश सत्ता उन्मूलन का विचार रखा।
- ❖ गदर पार्टी अन्य संस्थाओं से भिन्न थी क्योंकि इसने स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए गुरिल्ला युद्ध तकनीकी का प्रयोग किया।

#### ⇒ मुस्लिम लीग

- ❖ 1 अक्टूबर 1906 ई० को आगा खाँ के नेतृत्व में मुसलमानों का एक विशिष्ट दल तत्कालीन वायसराय लार्ड मिंटो से शिमला में मिला।
- ❖ शिष्ट मंडल ने प्रांतीय, केन्द्रीय व स्थानीय निकायों में निर्वाचन हेतु मुसलमानों को एक विशिष्ट स्थिति की मांग की।
- ❖ 30 दिसम्बर, 1906 ई० को ढाका के नवाब सलीमुल्लाह के नेतृत्व में एक बैठक में अखिल भारतीय मुस्लिम लीग की स्थापना की गई।
- ❖ मुस्लिम लीग के प्रथम अध्यक्ष वकार-उल-मुल्क मुस्ताक हुसैन थे। नवाब सलीमुल्लाह इसके संस्थापक अध्यक्ष थे।

#### ⇒ दिल्ली दरबार

- ❖ लार्ड हार्डिंग के कार्यकाल में सन् 1911 ई० में दिल्ली दरबार का आयोजन किया गया इस अवसर पर इंग्लैण्ड के सप्राट जार्ज पंचम तथा महारानी मैरी का भारत आगमन हुआ।
- ❖ दिल्ली दरबार में ही 12 दिसम्बर 1911 ई० को सप्राट ने बंगाल विभाजन को रद्द घोषित किया था। साथ ही कलकत्ता की जगह दिल्ली को भारत की नई राजधानी बनाने की अनुमति प्रदान की गयी थी।
- ❖ 1 अप्रैल 1912 को दिल्ली को कलकत्ता की जगह भारत की नई राजधानी बनाया गया।

### रोजगार पब्लिकेशन

#### ⇒ कामागाटामारू प्रकरण (1914)

- ❖ कामागाटामारू प्रकरण कनाडा में भारतीयों के प्रवेश से संबंधित था।
- ❖ कामागाटामारू जहाज कुवर पहुँचने से पूर्व ही कनाडा सरकार ने प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया।
- ❖ कामागाटामारू यात्रियों के अधिकार की लड़ाई हेतु 'शोर कमेटी' का गठन किया गया था।

#### ⇒ होमरूल लीग आन्दोलन

- ❖ बाल गंगाधर तिलक और एनी बेसेंट ने मिलकर होमरूल लीग आन्दोलन की स्थापना की।
- ❖ बाल गंगाधर द्वारा 28 अप्रैल 1916 ई० को होमरूल लीग की स्थापना की गयी। जिसके प्रथम अध्यक्ष जोसेफ विपिट्टा थे।
- ❖ एनी बेसेंट ने सितम्बर 1916 में अद्यार (मद्रास) में होमरूल लीग की स्थापना की थी।
- ❖ एनी बेसेंट ने अपने दैनिक पत्र 'न्यू इंडिया' तथा साप्ताहिक पत्र 'कॉमनवील' के माध्यम से स्वशासन की मांग की थी।
- ❖ तिलक ने 'मराठा' (अंग्रेजी भाषा में) व 'केसरी' (मराठी भाषा में) पत्रिकाओं के माध्यम से जन-सामान्य में स्वशासन व राष्ट्रीयता के विचारों का प्रचार किया।

## क्रांतिकारी आन्दोलन का द्वितीय चरण

- ❖ 1922 में असहयोग आन्दोलन की वापसी के निर्णय से असंतुष्ट और 1917 की रूसी क्रांति से प्रेरित युवाओं ने पुनः क्रांति का पथ चुना।
- ❖ अक्टूबर 1924 में कानपुर में हिन्दुस्तान रिपब्लिक एसोसिएशन की स्थापना की गयी जिसका सर्वाधिक उल्लेखनीय कार्य 1925 में काकोरी कांड को अंजाम देना था।
- ❖ काकोरी कांड में शामिल पं० राम प्रसाद बिस्मिल, असफाक उल्ला खाँ, राजेन्द्र लाहड़ी व रोशन सिंह को फांसी की सजा सुनाई गयी। किन्तु चन्द्रशेखर आजाद बच निकले।
- ❖ साइमन कमीशन के विरोध में लाला लाजपत राय लाहौर के पुलिस के लाठी चार्ज में गंभीर रूप से घायल हो गये थे जिससे उनकी मृत्यु हो गयी थी। इसके प्रति उत्तर में भगतसिंह राजगुरु और सुखदेव ने अंग्रेज साप्टडर्स की हत्या कर दी और यह लाहौर षड्यन्त्र केस कहलाया।
- ❖ 8 अप्रैल 1929 ई० में भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने पब्लिक सेफ्टी बिल और ट्रेड डिस्प्यूच एक्ट के प्रतीकात्मक विरोध में

केन्द्रीय सभा में बम फेंका और जानबूझकार गिरफ्तारी दी की। इसका उद्देश्य बहरी सरकार तक अपनी बम पहुँचाना था।

- ❖ लाहौर षड्यन्त्र केस के आरोप में भगतसिंह, राजगुरु और सुखदेव को 23 मार्च 1931 ई० को फाँसी की सजा दे दी गयी।
- ❖ इसके पहले फरवरी में चन्द्रशेखर आजाद इलाहाबाद के अल्फेड पार्क में पुलिस से मुकाबला करते हुए स्वयं को गोली मार के शहीद हो गये।
- ❖ चन्द्रशेखर आजाद के कहने पर भगवती चरण बोहरा ने 'द फिलॉसफी ऑफ बम' नामक किताब की रचना की थी।
- ❖ जेलों में अमानवीय परिस्थितियों के विरोध में भूख हड्डताल करते हुए क्रांतिकारी 63 दिनों की भूख हड्डताल के बाद शहीद हो गये।

#### ⇒ भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी

- ❖ 1924 ई० में कम्यूनिस्ट पार्टी नेता सत्य भक्त ने उत्तर प्रदेश में भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी की स्थापना की थी।
- ❖ दिसम्बर 1925 ई० में बंगाल में सिंगारवेलु चेट्टियार द्वारा विभिन्न कम्यूनिस्ट समूहों को संगठित कर कम्यूनिस्ट पार्टी की स्थापना की थी।

इनके मुख्य उद्देश्य थे—

- ❖ भारत को पूर्ण रूप से स्वतंत्रता दिलाना।
- ❖ ब्रिटिश शासन को समाप्त करना।
- ❖ भारत में सोवियत रूस जैसी सरकार की स्थापना करना।

#### ⇒ प्रमुख षड्यन्त्र केस

##### पेशावर षड्यन्त्र केस (1922-23 ई०)

- ❖ यह केस मांस्को से कम्यूनिस्टों के भारत आने की पृष्ठभूमि पर ब्रिटिशों द्वारा चलाया गया था।
- ❖ इसके तहत कुछ लोगों को गिरफ्तार कर उन पर मुकदमा चलाने हेतु पेशावर लाया गया।
- ❖ यह मुकदमा 1922-23 ई० में पेशावर षड्यन्त्र के नाम से जान गया।

##### कानपुर षड्यन्त्र केस (1924 ई०)

- ❖ कम्यूनिस्टों के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए कानपुर में एक षड्यन्त्र को आधार बनाकर कुछ कम्यूनिस्टों पर मुकदमा चलाय गया था।
- ❖ इन पर भारत में क्रांतिकारी संगठन की स्थापना का आरोप लगा गया था।
- ❖ एस. ए. डांगे, मुजफ्फर अहमद, शौकत उस्मानी, नलिनी गुप्त तथा कई अन्य साम्यवादियों को 'कानपुर षड्यन्त्र केस' कारावास की सजा सुनाई गई।

### मेरठ घड़यन्त्र केस (1929-33 ई०)

- ❖ 20 मार्च 1929 ई० को सरकार ने देश भर से 32 कम्युनिस्टों को गिरफ्तार किया।
- ❖ इसमें आधे तो राष्ट्रवादी तथा व्यापार संघ के लोग थे। इन कम्युनिस्टों ने इस बात का घोषण की थी कि वे क्रान्तिकारी हैं और ब्रिटिश साम्राज्यवाद को समाप्त करना चाहते हैं।
- ❖ कांग्रेसियों ने साम्यवादियों के विरुद्ध सरकार द्वारा लाये गए सार्वजनिक सुरक्षा विधेयक को केन्द्रीय विधानसभा में पारित नहीं होने दिया था।

## हिन्दुस्तान रिपब्लिक एसोसिएशन (1924 ई०)

- ❖ 1924 ई० में हिन्दुस्तान रिपब्लिक एसोसिएशन की कानपुर में स्थापना की गयी।
- ❖ इसकी स्थापना में शचींद्रं सान्याल, राम प्रसाद बिस्मिल, भगतसिंह, शिव वर्मा, सुखदेव, चन्द्रशेखर आजाद आदि क्रांतिकारियों ने योगदान दिया।

### काकोरी कांड (9 अगस्त 1925 ई०)

- ❖ हिन्दुस्तान रिपब्लिक एसोसिएशन के क्रांतिकारियों ने 9 अगस्त 1925 ई० को सहारनपुर-लखनऊ लाइन पर काकोरी जाने वाली 8 डाउन ट्रेन को लूट लिया था।
- ❖ इस संबंध में क्रांतिकारियों को गिरफ्तार कर काकोरी घड़यन्त्र केस के तहत मुकदमा चलाया गया था।

### हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन

- ❖ 1928 में चन्द्रशेखर आजाद के नेतृत्व में हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA) का गठन किया गया।
- ❖ चन्द्रशेखर आजाद ने दिल्ली के फिरोजशाह कोटला में हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन की स्थापना की थी।
- ❖ इसका उद्देश्य भारत में समाजवादी, गणतंत्रवादी राज्य की स्थापना करना था।

### चटगांव शस्त्रागार कांड

- ❖ बंगाल के सूर्यसेन जिनको 'मास्टर दा' के नाम से भी जाना जाता है ने 'इंडियन रिपब्लिकन आर्मी' (IRA) की स्थापना की।
- ❖ सूर्यसेन ने रिपब्लिकन आर्मी के सदस्यों अंबिका चक्रवर्ती, प्रीतिलता वाडेकर, गणेश घोष, कल्पना दत्त आदि ने मिलकर चटगांव शस्त्रागार पर हमला कर दिया था।
- ❖ 16 फरवरी 1933 को सूर्यसेन गिरफ्तार कर लिये गये उन पर मुकदमा चलाया गया जिसके तहत 12 जनवरी 1934 को उन्हें फांसी की सजा दे दी गयी थी।

- ❖ प्रीतिलता वाडेकर की चटगांव के रेलवे इंस्टीट्यूट पर छापा मारते वक्त मृत्यु हो गयी थी।
- ❖ दिसम्बर 1931 ई० को सुनीति चौधरी तथा शांति घोष ने गोली मारकर एक जिलाधिकारी की हत्या कर दी थी।
- ❖ फरवरी 1932 ई० में बीना दास ने दीक्षांत समारोह के दौरान उपाधि ग्रहण करते समय गवर्नर को गोली मार दी।
- ❖ राष्ट्रवाद का क्रान्तिकारी चरण इसलिए और भी विशिष्ट हो जाता है क्योंकि पहली बार इस समय महिलाओं की क्रांतिकारी भूमिका प्रभावी रूप में सामने आयी।

## महात्मा गांधी तथा अन्य नेताओं की भूमिका

- ❖ 2 अक्टूबर 1869 ई० में पोरबंदर में महात्मा गांधी का जन्म हुआ। इंग्लैंड में बैरिस्टर की शिक्षा लेने के बाद भारत आने पर उन्होंने पहला केस राजकोट में लड़ा था।
- ❖ 1893 में अब्दुल्ला का केस लड़ने दक्षिण अफ्रीका (डरबन) चले गये और वही के उनके राजनीतिक जीवन की शुरूआत हुई।
- ❖ अफ्रीका में गांधी जी 'टालस्टाय' व 'फिनिक्स फार्म' की स्थापना की और 1906 ई० में पहली बार सफलतापूर्वक सत्याग्रह किया।
- ❖ 9 जनवरी 1915 ई० को गांधी जी भारत वापस आये और इसी उपलक्ष्य में 9 जनवरी 2003 ई० से भारत सरकार प्रवासी दिवस मना रही है।
- ❖ गांधी जी ने दक्षिण अफ्रीका में 'इण्डियन ओपिनियन' नामक पत्र निकाला था।
- ❖ 'नवजीवन' व साप्ताहितक पत्र यंग इंडिया गांधीजी द्वारा संचालित होते थे।
- ❖ 1909 में उनकी 'हिन्द स्वराज' नामक पुस्तक प्रकाशित हुई जिसमें उन्होंने भारत पर पड़ते पाश्चात्य प्रभावों के प्रति चिंता व्यक्त की और लिखा की अंग्रेजों को बाहर निकालने से अधिक आवश्यक अंग्रेजीयत को बाहर निकालना है।
- ❖ गांधी जी ने गुजराती भाषा में 'माई एक्सपेरिमेन्ट विद टुथ' नामक आत्मकथा लिखी थी। इसका अंग्रेजी अनुवाद उनके सचिव महादेव देसाई ने किया और बाद में उनके निजी सचिव प्यारे लाल बने जिन्होंने 'गांधी की डायरी' नामक पुस्तक लिखी थी।
- ❖ 1919-1947 ई० के भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के काल को गांधी युग के नाम से जाना जाता है।
- ❖ इस चरण में हिन्दू-मुस्लिम मतभेद अपने चरम स्तर पर पहुँच गया था।
- ❖ परिणामतः 1940 ई० में जिन्ना के नेतृत्व में मुस्लिम लीग द्वारा प्रथक् राष्ट्र 'पाकिस्तान' की माँग की गयी थी।

## गांधी जी का भारत आगमन

- ❖ जनवरी 1915 ई० में गांधी जी दक्षिण अफ्रीका से वापस भारत लौटे। यहाँ गोपाल कृष्ण गोखले के विचारों से प्रभावित हुए और आगे चलकर महात्मा गांधी जी ने गोपाल कृष्ण गोखले को अपना राजनीतिक गुरु मान लिया।
- ❖ गांधी जी के भारत आने के समय प्रथम विश्वयुद्ध चल रहा था। गांधी जी ने अंग्रेजों का समर्थन किया तथा भारतीयों को सेना में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया जिसके कारण उन्हें कुछ लोग 'सेना में भर्ती करने वाला सार्जेंट' भी कहने लगे थे।
- ❖ प्रथम विश्व युद्ध में अंग्रेजों के समर्थन के कारण ब्रिटिश सरकार ने 1915 में गांधी जी को 'कैसर-ए-हिंद' की उपाधि प्रदान की थी।
- ❖ भारत आने के पश्चात् गांधी जी ने साबरमती नदी के किनारे 'सत्याग्रह आश्रम या साबरमती आश्रम' की स्थापना की इसका उद्देश्य रचनात्मक कार्यों को प्रोत्साहन देना था। इन्होंने साबरमती आश्रम को अपने कार्यों का केन्द्र स्थल बनाया।

## महात्मा गांधी के स्थानीय प्रयोग

### ⇒ चम्पारण सत्याग्रह, (1917 ई०)

- ❖ महात्मा गांधी जी ने सत्याग्रह का प्रथम बड़ा प्रयोग विहार के चंपारण में 1917 में किया था। चंपारण में सत्याग्रह करने के प्रमुख कारण चंपारण में यूरोपीय निलहों द्वारा 'तकाबी ऋण' और 'तिनकठिया' व्यवस्था थी जिसके कारण किसानों को अपनी जमीन के 3/20 वें भाग पर नील की खेती करना अनिवार्य था।
- ❖ 1917 में चंपारण के एक किसान राजकुमार शुक्ल ने इस स्थिति से गांधी जी को अवगत कराया और गांधी जी को चंपारण आने का न्यौता दिया।
- ❖ महात्मा गांधी ने चंपारण जाकर किसानों की समस्याओं से जानकारी प्राप्त कर ब्रिटिश सरकार से इस समस्या का हल करने की सिफारिश की।
- ❖ ब्रिटिश सरकार ने गांधी जी के प्रयासों से इस समस्या से निपटने के लिए एक आयोग गठित किया तथा गांधी जी को इसका सदस्य बनाया।
- ❖ महात्मा गांधी जी चंपारण में तिनकठिया पद्धति को खत्म करने में सफल रहे तथा किसानों को अंग्रेज निहलों से मुक्ति मिली।
- ❖ चंपारण सत्याग्रह की सफलता के बाद रवीन्द्र नाथ टैगोर ने खुश होकर गांधी जी को पहली बार 'महात्मा' कहा था।

- ❖ चंपारण आंदोलन के दौरान ब्रज किशोर, राजेन्द्र प्रसाद, महादेव देसाई, नरहरी पारिख, जे० बी० कृपालानी आदि उनके सहयोगी बने। तथा यहाँ की महिलाओं ने उन्हें 'बापू' की उपाधि प्रदान की।

### अहमदाबाद मिल मजदूरों की समस्या (1918 ई०)

- ❖ अहमदाबाद में मिल मालिकों एवं मजदूरों के बीच प्लेग बोनस को लेकर विवाद हुआ। जिसमें प्लेग की समस्या खत्म होने के बाद मिल मालिक बोनस को समाप्त करना चाहते थे। जबकि प्रथम विश्व युद्ध के कारण महांगाई बहुत बढ़ गयी थी जिसके कारण मजदूर इसे जारी रखना चाहते थे।
- ❖ इस समस्या की जानकारी प्राप्त करने के बाद महात्मा गांधी जी ने मजदूरी 35 प्रतिशत वृद्धि की मांग की।
- ❖ जिसके पश्चात् मिल मालिकों में 20 प्रतिशत वृद्धि देने की घोषणा की और यह भी कहा इसको देने के बाद उस मजदूर को मिल से निकाल दिया जायेगा।
- ❖ महात्मा गांधी जी इस प्रकरण से काफी निराश हुए तथा उन्होंने मजदूरों के साथ मिलकर हड्डताल पर जाने को कहा।
- ❖ अहमदाबाद में मिल मालिकों के खिलाफ पहली बार महात्मा गांधी जी ने भूख हड्डताल की थी।
- ❖ कुछ समय पश्चात् मिल मालिक 35 प्रतिशत वृद्धि देने के लिए तैयार हो गये और गांधी जी इस समस्या से मजदूरों को निजात दिलाने में सफल रहे।
- ❖ इस दौरान महात्मा गांधी जी को अम्नालाल साराभाई की बह अनुसूईया बेन और मोराजी देसाई ने सहयोग प्रदान किया।
- ⇒ **खेड़ा सत्याग्रह (1918 ई०)**
- ❖ खेड़ा में 1918 ई० में अकाल के कारण फसल बुरी तरह बब्ब हो गई थी किन्तु ब्रिटिश सरकार द्वारा लगान वसूली की जा रही। किसानों द्वारा इसका विरोध किया गया तथा लगान मारने की मांग की गई।
- ❖ गांधी जी ने यहाँ 'लगान बंदी' का नारा दिया। सरदार पटेल खेड़ा आन्दोलन के दौरान महात्मा गांधी के अनुयायी बने थे।
- ❖ इसी दौरान ब्रिटिश सरकार द्वारा गुप्त घोषणा की गयी कि लगान उन्हीं से बसूल किया जायेगा जो किसान लगान देने की स्थिति है। इसकी जानकारी प्राप्त होते ही गांधी जी ने आंदोलन समर्जने की घोषणा कर दी थी।
- ⇒ **रौलेट एक्ट (1919 ई०)**
- ❖ 17 मार्च 1919 ई० को केन्द्रीय विधान परिषद से पास हुए विधेयक रौलेट एक्ट या रौलेट अधिनियम के नाम से ले जाता है।

- ❖ रैलेट एक्ट के द्वारा अंग्रेजी सरकार जिसको चाहे जब तक चाहे, बिना मुकदमा चलाये जेल में बंद रख सकती थी, इसलिए इस कानून को बिना वकील बिना दलील वाला कानून कहा गया।
- ❖ इस काले कानून के विरोध में गांधी जी ने राष्ट्रीय सत्याग्रह का आव्हान किया किन्तु उन्हें गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया।
- ❖ बाद में गांधी जी को बम्बई ले जाकर रिहा कर दिया गया।
- ❖ रैलेट एक्ट के विरोध के लिए गांधी जी का जमना लाल दास, द्वारकादास और शंकरलाल बैंकर आदि ने सहयोग किया था।

#### ⇒ जलियाँवाला बाग हत्याकांड (13 अप्रैल 1919 ई०)

- ❖ गांधी जी की गिरफ्तारी का प्रभाव सर्वाधिक पंजाब पर पड़ा और जब वहाँ के दो लोकप्रिय स्थानी नेताओं डाक्टर सत्यपाल व सैफुद्दीन किचलू को भी गिरफ्तार कर लिया गया तो पंजाब का असंतोष उत्तर हो गया।
- ❖ इसके विरोध में 13 अप्रैल 1919 ई० को वैसाखी के दिन अमृतसर के जलियाँवाला बाग में एक विशाल सभा का आयोजन किया गया।
- ❖ सभा के दौरान हजारों डायर ने इसे मार्शल लॉ का उल्लंघन मानते हुए निहत्या भीड़ पर अन्धाधुन्ध फायरिंग का आदेश देकर हजारों लोगों को मौत को घाट उतार दिया।
- ❖ इस नरसंहार के विरोध में रवीन्द्रनाथ टैगोर ने ब्रिटिश सरकार द्वारा दी गयी 'नाइट हुड' की उपाधि वापस कर दी तथा शंकर नायर ने वायसराय की कार्यकारिणी के सदस्य पद से इस्तीफा दे दिया।
- ❖ कांग्रेस ने भी इस हत्याकांड की जाँच के लिए मदनमोहन मालवीय की अध्यक्षता में जलियाँवाला बाग समिति का गठन किया गया जिसमें गांधी जी भी सदस्य बने थे।
- ❖ ब्रिटिश सरकार ने इस हत्याकांड की जाँच के लिए हंटर आयोग का गठन किया था।
- ❖ सरदार उद्धम सिंह ने 1940 में लंदन जाकर जनरल डायर की हत्या कर दी थी।

#### ⇒ खिलाफत आंदोलन (1919-1922 ई०)

- ❖ खिलाफत आंदोलन तुर्की साम्राज्य के विभाजन के विरुद्ध शुरू हुआ और यह तब और अधिक तीव्र हो गया था जब महात्मा गांधी जी ने इसका समर्थन किया था। महात्मा गांधी जी ने खिलाफत आंदोलन को हिन्दू-मुस्लिम एकता का सुनहरा अवसर माना।
- ❖ अली बन्धु (मोहम्मद अली और शौकत अली) ने अपने पत्र 'कामरेड' में तुर्की व इस्लामी साम्राज्य की परम्पराओं के प्रति सहानुभूति प्रकट की थी।
- ❖ अली बन्धुओं, मौलाना आजाद, हकीम अजमल खान, हसरत मौहनी के नेतृत्व में खिलाफत कमेटी का गठन किया गया था।

- ❖ 17 अक्टूबर 1919 ई० को अखिल भारतीय खिलाफत दिवस मनाया गया था।

#### ⇒ असहयोग आंदोलन

- ❖ 1920 ई० में असहयोग आंदोलन का प्रस्ताव पारित किया गया था।
- ❖ शोषणकारी सत्ता से सहयोग न करना ही असहयोग का मूल उद्देश्य था।
- ❖ 1920 ई० में गांधी जी ने तीन बिन्दुओं के साथ असहयोग आंदोलन का आव्हान किया—
  - (i) खिलाफत सम्बन्धी मूल सुधार
  - (ii) जलियाँवाला बाग हत्याकांड के अन्याय की जाँच
  - (iii) स्वराज की प्राप्ति।
- ❖ गांधी जी ने असहयोग आंदोलन प्रारम्भ करने से पहले केसर हिन्द की उपाधि व अन्य पदक वापस लौटा दिये थे।
- ❖ गांधी जी ने 1 अगस्त 1920 ई० से प्रारम्भ असहयोग आंदोलन किया था तथा कांग्रेस ने 1920 के चुनावों में भाग नहीं लिया था।
- ❖ 1921 में लार्ड रीडिंग को भारत का वायसराय बनाए जाने के बाद अंग्रेजों का भारतीय जनता पर दमन चक्र और बढ़ गया परिणामतः जगह-जगह पर लाठी चार्ज, मारपीट और हत्याकांड प्रारम्भ हो गए। मुख्य नेताओं को पकड़कर जेल में बंद कर दिया गया।
- ❖ असहयोग आंदोलन के दौरान गोरखपुर जिले में 5 फरवरी 1922 को चौरी-चौरा नामक गाँव में 3000 किसानों के जुलूस पर पुलिस ने गोली चलाई थी। जिसके फलस्वरूप कुद्द भीड़ ने थाने पर हमला कर दिया व उसमें आग लगा दी इस घटना में 22 पुलिसकर्मी मारे गये थे इस घटना के बाद गांधी जी ने असहयोग आंदोलन वापस लेने की घोषणा कर दी थी।
- ❖ परिस्थिति का लाभ उठाकर 10 मार्च 1922 ई० को गांधी को गिरफ्तार कर 6 वर्ष की कारागार की सजा दे दी गई।

#### ⇒ स्वराज पार्टी का गठन

- ❖ असहयोग आंदोलन की वापसी के बाद कांग्रेस वैचारिक स्तर पर दो भागों में विभक्त हो गया।
- ❖ सी० आर० दास ने कांग्रेस की अध्यक्षता से त्याग पत्र दे दिया और एक नई पार्टी 'कांग्रेस खिलाफत स्वराज पार्टी' के गठन की घोषणा की।
- ❖ इस पार्टी को बाद में 'स्वराज पार्टी' (मार्च 1923) के नाम से जाना गया। सी० आर० दास इसके अध्यक्ष व मोतीलाल नेहरू इसके महासचिव थे।
- ❖ नवंबर 1923 के चुनावों में स्वराजियों को 101 में से 42 सीटों पर जीत हासिल हुई थी।

- ❖ 1925 ई० में सी० आर० दास की मृत्यु के बाद यह दल बिखरने लगा और सरकार के साथ सहयोग करने लगा।
- ❖ चितंजन दास सुभाष चन्द्र बोस के राजनीतिक गुरु थे।
- ❖ लाहौर अधिवेशन में पारित प्रस्तावों और सविनय अवज्ञा आन्दोलन छिड़ जाने के कारण 1930 में स्वराजियों ने विधानमंडल का दामन छोड़ दिया, इस प्रकार स्वराज पार्टी का अंत हो गया।

### विशेष तथ्य

- ❖ 5 फरवरी 1924 ई० को गांधी जी को खराब स्वास्थ्य के कारण सरकार ने जेल से रिहा कर दिया।
- ❖ दिसम्बर 1924 ई० में बेलगांव में कांग्रेस के वार्षिक अधिवेशन की अध्यक्षता महात्मा गांधी जी ने की।

### सविनय अवज्ञा आन्दोलन

- ❖ सविनय अवज्ञा आन्दोलन के तहत महात्मा गांधी ने 12 मार्च 1930 को ऐतिहासिक सत्याग्रह की शुरूआत की।
- ❖ गांधी जी साबरमती आश्रम से अपने अनुयायियों को साथ लेकर 240 मील की लम्बी पद यात्रा के बाद 5 अप्रैल 1930 को गुजरात के समुद्र तट पर स्थित दांडी गांव पहुँचे जिसे 'दांडी मार्च' के नाम से जाना जाता है।
- ❖ इस दौरान उन्होंने 6 अप्रैल 1930 ई० को दांडी में मुट्ठी भर नमक लेकर नमक कानून को तोड़ा।
- ❖ सुभाष चन्द्र बोस ने इस आन्दोलन की तुलना नेपोलियन के पेरिस की ओर किये जाने वाले मार्च तथा राजनीतिक सत्ता प्राप्ति हेतु मुसोलिनी के 'रोम मार्च' से की थी।
- ❖ जल्दी ही सविनय अवज्ञा आन्दोलन गांधी जी के नेतृत्व में समूचे भारत में फैल गया।
- ❖ तमिलनाडु में गांधीवादी नेता सी० राजगोपालाचारी ने तिरुचेनगोड आश्रम के त्रिचुरापल्ली के वेदरायण तक नमक यात्रा की थी।
- ❖ मालाबार में नमक सत्याग्रह की शुरूआत वायकोन सत्याग्रह के नेता केलप्पड़ ने कालीकट से पेनार तक नमक यात्रा करके की थी।
- ❖ उड़ीसा में गोपचन्द्र बन्धु चौधरी के नेतृत्व में बालासोर, कटक और पुरी में नमक आन्दोलन चलाया गया था।
- ❖ असम में सिलहट और बंगाल के नोवाखली में भी नमक कानून तोड़ने का प्रयास किया गया।
- ❖ पश्चिमोत्तर सीमांत प्रान्त के मुसलमानों ने खान अब्दुल गफकार खाँ के नेतृत्व में गठित 'खुदाई खितमतगार या लाल कुर्ती' संगठन ने सविनय अवज्ञा आन्दोलन में सक्रीय भूमिका निभाई थी।
- ❖ सविनय अवज्ञा आन्दोलन के दौरान गढ़वाली रेजीमेंट की दो प्लाटनों ने सत्याग्राहीयों पर गोली चलाने से मना कर दिया था। इन

रेजीमेंटों के नेता चन्द्र सिंह गढ़वाली थे। जिसके बदले सिपाहियों को लंबी सजाएँ दी गई थी।

- ❖ असम में कनिंघम का (भारतीय पुरातत्व का जनक) भारी विरोध हुआ जिसमें छात्रों व अभिवाबकों को आन्दोलन से न जुड़ने की चेतावनी दी गयी थी।
- ❖ उत्तर-पूर्व की जनजातियों ने भी आन्दोलन में बढ़-चढ़कर भाग लिया। 13 वर्षीय युवा नागा महिला रानी गैडिनल्यू ने अपने नागा साथियों के साथ सविनय अवज्ञा आन्दोलन को समर्थन दिया कालान्तर में नेहरू ने गैडिनल्यू को 'रानी' की उपाधि से सम्मानित किया।
- ❖ इसी आन्दोलन के दौरान छात्रों ने बानर सेना और छात्राओं ने मंजरी सेना का गठन कर आन्दोलनकारियों की मदद की थी।
- ❖ ब्रिटिश सरकार द्वारा इस आन्दोलन को विभत्स तरीके से कुचलने का प्रयास किया गया तथा आन्दोलन के बड़े नेता पं० जवाहर लाल नेहरू और महात्मा गांधी को गिरफ्तार कर लिया गया।
- ❖ ब्रिटिश सरकार का सबसे खतरनाक दमनचक्र का रूप धरसण में 21 मई को देखने को मिला जब सरोजिनी नायडू, इमाम साहब और मणिलाल के नेतृत्व में लगभग 25 हजार स्वयं सेवकों को धरसणा नामक कारखाने पर धावा बोलने से पूर्व लोहे की मूँठ वाली लाठियों से पीटा गया।
- ❖ जिस समय यह आन्दोलन अपने चरमोत्कर्ष पर था उसी समय वायसराय ने गिरफ्तार नेताओं को रिहा करने के बाद महात्मा गांधी को बात-चीत करने के लिए आमंत्रित किया।
- ❖ गांधी इरविन के बीच समझौते का माहौल बनाने में तेजबहादुर सप्त तथा एम० आर० जयकर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।
- ❖ इसी दौरान लम्बी वार्ता के बाद 5 मार्च 1931 ई० को गांधी जी और इरविन के बीच समझौता हो गया, जिसे गांधी-इरविन समझौता के नाम से जाना गया।

### गोल मेज सम्मेलन

- ❖ ब्रिटिश सरकार ने भारतीय मुद्दों को सुलझाने तथा सार्वजनिक हितों पर चर्चा के लिए 1930-1932 ई० के बीच लंदन में तीन गोलमेज सम्मेलन आयोजित किये जिसमें कांग्रेस ने केवल द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया।
- ❖ लंदन में आयोजित प्रथम गोलमेज सम्मेलन 12 नवम्बर 1930 ई० से 19 जनवरी 1931 ई० तक चला, जिसमें ब्रिटिश सरकार द्वारा भारतीयों को बराबर का दर्जा दिया गया।
- ❖ प्रथम गोलमेज सम्मेलन में कुल 89 प्रतिनिधियों में भाग लिया।
- ❖ द्वितीय गोलमेज सम्मेलन लंदन में 7 सितंबर, 1931 ई० से 1 दिसम्बर 1931 ई० तक चला इसमें कांग्रेस के प्रतिनिधि के स्थानों ने गांधी जी ने हिस्सा लिया था।

- ❖ इस सम्मेलन में गांधी जी 'राजपुताना' नामक जहाज से लंदन गए थे। कांग्रेस कार्य समिति की ओर से सरोजिनी नायडू ने भी इस सम्मेलन में भाग लिया था।
- ❖ द्वितीय गोलमेज सम्मेलन साम्प्रदायिक समस्या पर विवाद के कारण पूरी तरह असफल रहा। अतः साम्प्रदायिक गतिरोध के कारण द्वितीय गोलमेज सम्मेलन दिसंबर में समाप्त कर दिया गया था।
- ❖ इसी सम्मेलन के दौरान विंस्टन चर्चिल ने गांधी जी को 'अर्धनग्न फकीर' कहा था।
- ❖ तृतीय गोलमेज सम्मेलन 17 नवम्बर 1932 ई० से 24 सितम्बर 1932 ई० तक चला। इस सम्मेलन में कांग्रेस ने हिस्सा नहीं लिया था।
- ❖ संवैधानिक सुधारों की चर्चा, साम्प्रदायिक विषय मतभेद का जारी बने रहे। डॉ० भीमराव अंबेडकर ने दलितों के राजनीतिक अधिकार व सिविल सेवा में अधिकार के लिए डटे रहे और कांग्रेस द्वारा इनका सभी सम्मेलनों में भाग न लेना इनकी असफलता का कारण माना जाता है।
- ❖ तेज बहादुर सप्त्रू, मुकुन्द राज जयकर, और डॉ० भीमराव अंबेडकर व रियासतों के प्रतिनिधियों ने तीनों गोलमेज सम्मेलनों में भाग लिया।

### ⇒ साम्प्रदायिक पंचाट

- ❖ इसके तहत दलित वर्ग पर पृथक निर्वाचन लागू कर दिया गया था। जिसके विरोध में गांधी जी जेल में ही 20 सितम्बर 1932 ई० से आमरण अनशन पर बैठ गये।
- ❖ मदन मोहन मालवीय डा० राजेन्द्र प्रसाद, पुरुषोत्तम दास, राजगोपालाचारी आदि के प्रयत्नों से गांधी जी और डॉ० अंबेडकर में पूना हुआ। जिसके तहत अनुचित वर्गों के लिए सीटों की संख्या बढ़कर 71 से 148 कर दी गयी तथा पृथक निर्वाचन समाप्त कर दिया गया।
- ❖ गांधी जी ने मई 1933 में सविनय अवज्ञा आन्दोलन निर्लिपित और अस्मृश्यता विरोधी आन्दोलन में लग गये।
- ❖ उन्होंने हरिजन सेवक संघ की स्थापना की।
- ❖ 1 अगस्त 1933 ई० को गांधी जी ने सांकेतिक तौर पर व्यक्तिगत सविनय अवज्ञा आन्दोलन शुरू किया था।

## प्रांतीय चुनाव तथा मंत्रिमंडलों का गठन (1937 ई०)

- ❖ कांग्रेस के 1936 ई० में लखनऊ और फैजपुर अधिवेशन में जवाहर लाल नेहरू की अध्यक्षता में सभी दल चुनाव में भाग लेने के लिए तैयार हो गये।

- ❖ 1937 में हुए प्रांतीय विधानमंडलों के चुनाव में कांग्रेस ने अपने प्रतिद्वंदी दलों का सफाया करते हुए 11 प्रान्तों में से 5 प्रान्तों में पूर्ण बहुमत प्राप्त किया।
- ❖ बंगाल, पंजाब तथा सिंध में ही कांग्रेस बहुमत से वंचित रही।
- ❖ कांग्रेस सरकार ने अपने 28 माह के संक्षिप्त शासनकाल में यह साबित कर दिया कि वह केवल जनसंघर्षों के लिए ही जनता का नेतृत्व नहीं कर सकती बल्कि उनके हित में राजसत्ता का भी प्रयोग कर सकती है।
- ❖ कांग्रेस शासित प्रदेशों के मंत्रियों ने कांग्रेस कार्य समिति की अनुमति के बाद 15 नवम्बर 1939 को मंत्रिमंडलों से त्याग पत्र दे दिया।
- ❖ 22 दिसम्बर 1939 ई० को मुस्लिम लीग ने मुक्ति दिवस एवं अंबेडकर ने घन्यवाद दिवस मनाया।

### प्रांतों के प्रधानमंत्री

मद्रास	सी० राजगोपालाचारी
बंगाल	फजलुल हक
सिंध	अल्लाह बक्स
बिहार	श्रीकृष्ण सिन्हा
उड़ीसा	बी० एन० दास
संयुक्त प्रांत	गोविंद वल्लभ पंत
बंबई	बी० जी० खेर
पंजाब	सिंकदर हयात खाँ

### अगस्त प्रस्ताव

- ❖ प्रांतीय विधान मंच ने 8 अगस्त 1940 को लार्ड लिनलिथगो की अध्यक्षता में अगस्त प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया।
- ❖ इसमें डोमेनियम स्टेट एवं संविधान निमात्री सभा के गठन की बात कही गयी जिसे कांग्रेस ने अस्वीकार कर दिया।

### क्रिप्स प्रस्ताव (मार्च 1942)

- ❖ द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटेन पर मित्र राष्ट्रों ने दबाव डाला कि भारत की जनता के साथ न्यायपूर्ण व्यवहार किया जाए जिस पर सरकार ने स्टैफर्ड क्रिप्स को भारत भेजा जो 28 मार्च 1942 ई० के भारत पहुँचे और अपनी योजना प्रस्तुत की जिसमें युद्ध के बाद भारत को डेमोक्रेटिक स्टेट का दर्जा देने की बात कही गयी थी।
- ❖ इसे कांग्रेस एवं मुस्लिम लीग ने अस्वीकार कर दिया।
- ❖ गांधी जी ने इसे दिवालिया होने वाले बैंक का उत्तर दिनांकित करा।

- ❖ 11 अप्रैल 1942 को क्रिप्स प्रस्तावों को वापस ले लिया गया।

## भारत छोड़ो आन्दोलन (1942 ई०)

- ❖ क्रिप्स मिशन के वापस लौटने के उपरांत, गांधी जी ने एक प्रस्ताव तैयार किया जिसमें अंग्रेजों से तुरन्त भारत छोड़ने तथा जापानी आक्रमण होने पर भारतीयों से अहिंसक असहयोग का आह्वान किया गया था।
- ❖ महात्मा गांधी ने अंग्रेजों भारत छोड़ो का नारा था।
- ❖ कांग्रेस कार्यसमिति ने वर्धा की बैठक 14 जुलाई 1942 में संघर्ष के गांधी वादी प्रस्ताव को अपनी स्वीकृति दे दी।
- ❖ कांग्रेस की वर्धा समिति ने भारत छोड़ो प्रस्ताव पारित करवाया था भारत छोड़ो का सुझाव युसुफ मेहर अली ने दिया था। यहाँ पर गांधी जी ने कांग्रेस को चुनौती देते हुए कहा था यदि आंदोलन नहीं किया गया तो 'मैं देश की मुट्ठी भर बालू से कांग्रेस से भी बड़ा आंदोलन शुरू कर दूँगा।'
- ❖ 7 अगस्त 1942 ई० को बम्बई के ग्वालिया टैक मैदान में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की वार्षिक बैठक हुई जिसकी अध्यक्षता मौलाना अबुल कलाम आजाद ने की। बैठक में भारत छोड़ो आंदोलन की पुष्टि कर दी गयी थी।
- ❖ भारत छोड़ो आन्दोलन को 'अगस्त क्रान्ति' के नाम से भी जाना जाता है।
- ❖ कांग्रेस ने भारत छोड़ो प्रस्ताव को थोड़े बहुत संशोधन के बाद 8 अगस्त 1942 ई० को पास कर दिया।
- ❖ भारत छोड़ो आन्दोलन के 9 अगस्त 1942 ई० को शुरू होते ही गांधी जी तथा कांग्रेस के अन्य मुख्य नेताओं को 'ऑपरेशन जीरो आवर' के तहत गिरफ्तार कर लिया गया।
- ❖ गांधी जी को गिरफ्तार कर आगा खाँ पैलेस में रखा गया। सरोजिनी नायडू तथा कस्तूरबा गांधी को भी गिरफ्तार कर आगा खाँ पैलेस में रखा गया था।
- ❖ इसी दौरान ब्रिटिश सरकार ने कांग्रेस को गैर कानूनी घोषित करते हुए उसकी सम्पत्ति को जब्त कर लिया।
- ❖ डॉ० राजेन्द्र प्रसाद को पटना के बाँकीपुर जेल में नजरबंद कर दिया गया। जय प्रकाश नारायण को गिरफ्तार कर हजारी बाग सेंट्रल जेल में रखा गया जो बाद में जेल की दीवार फांदकर फरार हो गये तथा 'आजाद दस्ता' नामक दल का गठन कर भूमिगत होकर भारत छोड़ो आन्दोलन में सक्रिय भूमिका निभाते रहे।
- ❖ महात्मा गांधी ने इस आन्दोलन में 'करो या मरो' का नारा दिया जो समूचे देश में गूँज उठा, प्रमुख नेताओं की गिरफ्तारी के बाद आन्दोलन का नेतृत्व युवाओं ने सँभाला और जैसे ही अरुणा आसफ अली ने ग्वालिया टैक मैदान में तिरंगा लहराया वैसे ही भारत छोड़ो आंदोलन और भी तीव्र हो गया।

- ❖ आंदोलन की गतिविधियों को संचालित/प्रसारित करने के लिए कांग्रेस रेडियो की स्थापना की गयी जिसका संचालन ऊषा मेहता ने किया।
- ❖ ब्रिटिश संस्था से जुड़े सभी तत्वों व प्रतीकों पर करारा प्रहार किया गया और भारत छोड़ो कार्यक्रम का हिस्सा न होते हुए भी यातायात व संचार साधनों को क्षतिग्रस्त किया गया।
- ❖ आन्दोलन के प्रति सरकार की दमनात्मक नीति के विरुद्ध गांधी जी ने आगा खाँ पैलेस में 10 फरवरी 1943 ई० को 21 दिन के उपवास की घोषणा कर दी।
- ❖ 7 मार्च 1943 ई० को गांधी जी ने भूख हड्डताल समाप्त कर दिया था, उनके खराब स्वास्थ्य के कारण सरकार ने 6 मई 1944 ई० को उन्हें कैद से रिहा कर दिया।
- ❖ भारत छोड़ो आन्दोलन के समय देश के कई भागों में ब्रिटिश शासन समाप्त हो गया और सामानान्तर सरकारें स्थापित कर लंगई थीं।
- ❖ जिसकी शुरूआत बलिया में चितू पाण्डेय ने की और उसके बाद क्रमशः तामलुक तलचर व सतारा में समानान्तर सरकारें स्थापित की गयीं।
- ❖ भारत छोड़ो आन्दोलन के समय वायसराय लार्ड लिनलिथोगे ने 15 अगस्त 1942 ई० को आन्दोलनकारियों पर हवाई जहाज से मशीनगन का उपयोग करने का आदेश दिया।
- ❖ मुस्लिम लीग का जिन्ना गुट आन्दोलन का इसलिए विरोधी धर्म्योक्ति इनका विश्वास था कि अंग्रेजों के यहाँ से जाने के बाद यहाँ जंगल राज स्थापित हो जायेगा।
- ❖ 23 मार्च 1943 ई० को मुस्लिम लीग ने 'पाकिस्तान दिवस' मनाने का आह्वान किया।
- ❖ मुस्लिम लीग ने दिसम्बर 1943 ई० में कराँची में हुए अधिवेश में 'विभाजन करो और छोड़ो' का नारा दिया।
- ❖ अति उदारवादी नेता तेज बहादुर सप्रू ने भारत छोड़ो आन्दोलन को अविचारित तथा असामाजिक माना।
- ❖ डॉ० भीमराव अम्बेडकर ने आन्दोलन के बारे में कहा कि 'कानून और व्यवस्था को कमज़ोर करना पागलपन है जबकि दुश्म हमारी सीमा पर है।
- ❖ सी० राजगोपालाचारी ने 1944 ई० में ही विभाजन का प्रस्ताव दिया जिसे सी० आर० फार्मला 1944 ई० के नाम से जाना जाता है।
- ❖ इस आन्दोलन के दौरान एक वयोवृद्ध महिला मतांगिनी हजारा शौर्य का उल्लेख मिलता है जिसने गोली लगने के बावजूद तिरों को गिरने नहीं दिया।

## सुभाषचन्द्र बोस और आजाद हिन्द फौज

- ❖ सुभाष चन्द्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 में कटक में हुआ था।
- ❖ उन्होंने इण्डियन सिविल सेवा परीक्षा उत्तीर्ण की किन्तु सी० आर० दास के प्रभाव में आकर असहयोग आंदोलन में भाग लेने के लिए इन्होंने इस्तीफा दे दिया।
- ❖ जवाहर लाल नेहरू की तरह सुभाष चन्द्र बोस पर भी समाजवादी विचारधारा का गहरा प्रभाव था और वे पूर्ण स्वराज के समर्थक थे।
- ❖ स्मरणीय है कि जब 1928 की नेहरू रिपोर्ट में पूर्ण स्वराज की जगह डोमिनियन स्टेट्स की माँग की गयी तो नाराज होकर सुभाषचन्द्र बोस ने 'इण्डियन ऑफ इण्डिया' लीग स्थापित की थी।
- ❖ 1938 ई० के कांग्रेस के हरिपुरा (गुजरात) अधिवेशन में अध्यक्ष चुने गये और पुनः 1939 ई० में त्रिपुरा (मध्य प्रदेश) में गांधी जी के प्रत्याशी पट्टाभी सीता रमेया को हराकर अध्यक्ष बने।
- ❖ किन्तु मतभेदों के कारण सुभाष चन्द्र बोस ने कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया।
- ❖ जनवरी 1941 ई० में सुभाष चन्द्र बोस जियाउद्दीन के वेश में कोलकाता से निकलकर काबुल पहुँचे। वहाँ ओरलैण्डों मैसोट्रा के नाम से अफगानिस्तान, रूस होते हुए बर्लिन पहुँचे।
- ❖ उन्होंने जर्मनी में हिटलर से मुलाकात कर भारतीय स्वतंत्रता के लिए सहयोग माँगा। वहाँ के लोगों ने सुभाष चन्द्र बोस को 'नेता जी' कहा।
- ❖ जर्मनी में सुभाषचन्द्र बोस ने 'फ्री इंडिया सेंटर' की स्थापना की। यहाँ से सुभाष चन्द्र बोस ने पहली बार 'जयहिन्द' का नारा दिया था।
- ❖ 'आजाद हिंद फौज' का विचार सबसे पहले ब्रिटेन में भारतीय सेना के अधिकारी मोहन सिंह के मन में आया था।
- ❖ 1 सितम्बर 1942 ई० को आजाद हिंद फौज की पहली डिवीजन का गठन किया गया था।
- ❖ 2 जुलाई 1943 को सुभाष चन्द्र बोस सिंगापुर पहुँचे। यहाँ इन्हें आजाद हिंद फौज का सर्वोच्च सेनापति घोषित किया गया।
- ❖ 21 अक्टूबर 1943 ई० को सुभाष चन्द्र बोस ने सिंगापुर में स्वतंत्र भारत की अस्थायी सरकार की स्थापना की जिसमें एच० सी० चटर्जी (वित्त) एम० ए० अच्युत (प्रचार) तथा लक्ष्मी स्वामी नाथन (स्त्रियों के विभाग) में मंत्री बनाये गये।

- ❖ जर्मनी, जापान तथा उनके समर्थक देशों ने इस सरकार को मान्यता प्रदान की थी तथा सरकार ने मित्र राष्ट्रों के विरुद्ध युद्ध की घोषणा कर दी।
- ❖ सुभाष चन्द्र बोस ने रानी झांसी रेजिमेंट के नाम से एक महिला रेजिमेंट बनाई। तथा अन्य ब्रिगेडों का नाम सुभाष ब्रिगेड, नेहरू ब्रिगेड, गांधी ब्रिगेड रखा।
- ❖ सुभाष चन्द्र बोस ने "तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूँगा" का नारा दिया था।
- ❖ सुभाष चन्द्र बोस द्वारा पहली बार महात्मा गांधी जी के लिए राष्ट्रपिता शब्द का प्रयोग किया था।
- ❖ 1945 ई० में ब्रिटिश सेना द्वारा रंगून पर पुनः अधिकार कर लिये जाने के बाद आजाद हिन्द के सिपाहियों को जापानी सेना के साथ आत्म समर्पण करना पड़ा था।
- ❖ 18 अगस्त 1945 ई० को ताइकु हवाई अड्डे पर हुई संघीय हवाई दुर्घटना में सुभाष चन्द्र बोस शहीद हो गये थे।
- ❖ आजाद हिन्द फौज के सैनिकों के तीन अधिकारियों प्रेम सहगल, शहनवाज खान व जी० एस० फिल्लन को गिरफ्तार कर 1945 ई० में दिल्ली के लाल किला पर केस चलाया गया।
- ❖ इन सैनिक अधिकारियों का केस लड़ने के लिए एक समिति बनाई गयी जिसकी अध्यक्षता भूला भाई देसाई ने की।

### ⇒ वेवल योजना तथा शिमला सम्मेलन

- ❖ अक्टूबर 1943 ई० में लार्ड वेवल भारत के वायसराय बनकर आये भारत की स्थिति को सामान्य बनाने के दिशा में प्रयास करते हुए सबसे पहले भारत छोड़ो आन्दोलन में गिरफ्तार कांग्रेस के सदस्यों को रिहा किया गया।
- ❖ 14 जून 1945 ई० को वेवल योजना प्रस्तुत की गई।
- ❖ 25 जून 1945 ई० को वेवल प्रस्ताव पर विचार -विमर्श हेतु शिमला में 'शिमला सम्मेलन' का आयोजन किया गया।
- ❖ अबुल कलाम आजाद ने शिमला सम्मेलन की असफलता को इतिहास में एक 'जलविभाजक' की संज्ञा दी थी।

### नौसेना विद्रोह 1946

- ❖ 19 फरवरी 1946 को बंबई में नौसेना ने खुला विद्रोह कर ब्रिटिश सरकार को गहरी चोट पहुँचाई।
- ❖ यह विद्रोह 'तलवार' नामक जहाज से आरम्भ हुआ था।
- ❖ विद्रोह के नेता एम०एस० खान थे। इनकी मांग थी कि बी०सी० दत्त जिन्होंने जहाज की दीवारों पर भारत छोड़ो लिख दिया था, को रिहा किया जाए तथा आजाद हिन्द फौजियों को भी रिहा किया जाए तथा बेहतर भोजन व भेदभाव का अंत किया जाये।

- ❖ सरदार बल्लभ भाई पटेल एवं जिना के हस्तक्षेप से 24 जनवरी 1946 ई० को विद्रोहियों ने आत्म-समर्पण करते हुए कहा कि हम भारत के समाने समर्पण कर रहे हैं ब्रिटेन के सामने नहीं।

## कैबिनेट मिशन (24 मार्च 1946 ई०)

- ❖ 29 मार्च 1946 ई० कैबिनेट मिशन भारत आया। इस कैबिनेट मिशन के सदस्यों में शामिल थे—सर स्टेफर्ड क्रिप्स, ए०बी० अलेकजेंडर तथा पैथिक लारेंस (अध्यक्ष)।
- ❖ 15 मार्च 1946 ई० को भारतीयों के आत्म निर्णय के अधिकार और संविधान बनाने को मान लिया गया था।
- ❖ 16 मई 1946 ई० को कैबिनेट मिशन ने समझौते का अंतिम प्रयास के आशय से शिमला में सम्मेलन बुलाया गया।
- ❖ जहाँ पैथिक लारेंस ने कहा था कि इसका उद्देश्य भारत के लिए संविधान तैयार करने के लिए शीघ्र ही एक कार्यप्रणाली तैयार करना तथा अंतरिम सरकार के लिए आवश्यक प्रबन्ध करना था।

## कैबिनेट मिशन की सिफारिशें

- ❖ भारत एक राज्य होगा जिसमें देशी रियासतें तथा ब्रिटिश भारत शामिल होंगा।
- ❖ विदेशी मामले प्रतिरक्षा एवं संचार के विषय केन्द्रीय सरकार के अधीन होंगे।
- ❖ अवशिष्ट शक्तियाँ संघ के पास सुरक्षित रहेंगी।
- ❖ संविधान सभा का गठन प्रान्तीय विधान सभाओं तथा देशी रियासतों के प्रतिनिधियों के द्वारा किया जाएगा।
- ❖ मुस्लिम लीग की पाकिस्तान की मांग को दुकरा दिया गया।
- ❖ 24 जून 1946 ई० को कैबिनेट मिशन वापस चला गया।
- ❖ 26 जून 1946 ई० को मुस्लिम लीग की कैबिनेट मिशन के प्रस्तावों को स्वीकार करते हुए कहा कि पाकिस्तान की मांग के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए संघर्ष जारी रहेगा।
- ❖ संविधान सभा के लिए हुए चुनावों में ब्रिटिश भारत के प्रातों के 296 स्थानों में कांग्रेस द्वारा 208 व 73 पर मुस्लिम लीग की जीत हुई।
- ❖ 16 अगस्त 1946 ई० को मुस्लिम लीग ने 'सीधी कार्यवाही दिवस' मनाया। जिसका उद्देश्य सांस्कृदायिक दंगे फैलाना तथा आतंक का महौल बनाकर यह सिद्ध करना कि हिन्दू-मुसलमान एक साथ नहीं रह सकते।
- ❖ 24 अगस्त 1946 ई० को पं० जवाहर लाल नेहरू के नेतृत्व में भारत की पहली अंतरिम राष्ट्रीय सरकार का गठन किया गया। शुरू में मुस्लिम लीग ने अंतरिम सरकार में शामिल होने से मना कर दिया पर लार्ड वेवेल के कहने पर वह शामिल हो गयी।

- ❖ 9 दिसम्बर 1946 ई० को संविधान सभा की पहली बैठक हुई।
- ❖ 20 फरवरी 1947 ई० को ब्रिटेन के हाउस ऑफ कॉमंस में एटली ने घोषणा की कि जून 1948 ई० तक सत्ता भारतीयों के हाथ सौंप देगा।
- ❖ 22 मार्च 1947 ई० को भारत के 34वें और अंतिम वायसराम लार्ड माउन्टबेटेन भारत आये जिनका एकमात्र उद्देश्य, अतिशाय भारत को पूर्ण स्वतंत्रता दिलाना था।
- ❖ माउन्टबेटेन ने 15 अगस्त 1947 ई० को भारतीयों को सत्ता सौंपने का दिन निर्धारित किया।
- ❖ 18 जुलाई 1947 ई० को भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम पास किया गया था। इस उपबन्ध द्वारा ही 15 अगस्त 1947 ई० को भारत का विभाजन हुआ। जिसके परिणाम स्वरूप भारतीय संघ और पाकिस्तान के रूप में दो अधिराज्यों का उदय हुआ।

## भारत के प्रमुख विधायी संशोधन तथा अधिनियम

- ⇒ **1773 का रेग्यूलेटिंग एक्ट**
  - ❖ कम्पनी के प्रशासन का भार कोर्ट ऑफ डायरेक्टर्स एवं को ऑफ प्रोपराइटर्स को दे दिया गया।
  - ❖ इस एक्ट के द्वारा ब्रिटिश संसद ने भारतीय मामलों में हस्तक्षेप का शुरूआत की।
  - ❖ इस एक्ट के द्वारा कलकत्ता में एक सुप्रीम कोर्ट की स्थापना की गयी जिसके प्रथम न्यायधीश 'एलिंजा इम्पे' थे।
  - ❖ इस एक्ट के द्वारा मद्रास एवं बम्बई प्रेसीडेन्सियों को कलकत्ता प्रसीडेन्सी के अधीन कर दिया गया जिसका प्रमुख गवर्नर जनरल होता था।
  - ❖ गवर्नर जनरल की परिषद में चार सदस्य होते थे।
- ⇒ **पिट्स हिप्टिया एक्ट-1784**
  - ❖ इस एक्ट में माध्यम से कम्पनी के व्यापारिक एवं राजनीतिक कार्य-कलापों को एक-दूसरे से अलग कर दिया गया।
  - ❖ बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स व बोर्ड ऑफ कन्ट्रोल स्थापित किया गया।
  - ❖ गवर्नर जनरल की परिषद से सदस्यों की संख्या 4 से घटाकर दी गयी।
  - ❖ इस नियम द्वारा द्वैध-शासन की शुरूआत हुई जो 1858 तक चलती रही।
- ⇒ **1813 का चार्टर एक्ट**
  - ❖ 1813 के चार्टर द्वारा कम्पनी के भारतीय व्यापार एकाधिकार को समाप्त कर दिया गया।

- ❖ यद्यपि उसका चीन तथा चाय के व्यापार पर एकाधिकार चलता रहा।
- ❖ पहली बार भारत में शिक्षा व साहित्य के विकास के लिए प्रतिवर्ष एक लाख रुपये की व्यवस्था की गयी।
- ❖ ईसाई धर्म प्रचारकों को भारत आने की छूट दी गयी।

#### ⇒ 1833 का चार्टर एक्ट

- ❖ व्यापारिक एकाधिकार पूर्णतः समाप्त कर दिया गया।
- ❖ जाति, वर्ण एवं जन्म स्थान के आधार पर सरकारी चयन में भेदभाव समाप्त कर दिया गया।
- ❖ बंगाल का गवर्नर अब पूरे भारत का गवर्नर जनरल बना दिया गया।
- ❖ इस चार्टर एक्ट द्वारा दासता को अवैध घोषित किया गया।
- ❖ वाणिज्य और राजनीति को अलग कर दिया गया।
- ❖ सर्वप्रथम मैकाले को विधि सदस्य के रूप में गवर्नर जनरल की परिषद में शामिल किया गया।
- ❖ भारतीय कानूनों को लिपिबद्ध तथा सुधारने के उद्देश्य से एक विधि आयोग का गठन किया गया।

#### ⇒ 1853 का चार्टर एक्ट

- ❖ इस चार्टर एक्ट द्वारा सभी सेवाओं में खुली प्रतियोगिता द्वारा नियुक्ति का प्रस्ताव लाया गया।
- ❖ भारतवर्ष के लिए एक पृथक विधान-परिषद की स्थापना की गयी।
- ❖ कंपनी के सदस्यों की संख्या 24 से घटाकर 18 कर दी गयी तथा गवर्नर जनरल की कार्यकारिणी में विधि सदस्य को स्थायी कर दिया गया।
- ❖ अब कम्पनी को 20 वर्ष का चार्टर न देकर उसे ब्रिटिश क्राउन का द्रस्ती मानते हुए क्राउन की इच्छा पर छोड़ दिया गया।

#### ⇒ 1861 का अधिनियम

- ❖ विभागीय प्रणाली की शुरूआत की गयी।
- ❖ 1861 के अधिनियम द्वारा पहली बार वायसराय को अध्यादेश जारी करने की शक्ति दी गयी।
- ❖ वायसराय के परिषद की सदस्यों की संख्या बढ़ा दी गई न्यूनतम संख्या 6 और अधिकतम 12 निर्धारित की गयी।
- ❖ IPC, CPC, CRPC जैसी संस्थाएँ भी 1861 के अधिनियम द्वारा

- ❖ संसदीय व्यवस्था का प्रारम्भ किया गया।
- ❖ पहली बार बजट पर बहस करने का अधिकार दिया गया।
- ❖ कार्यकारिणी के सदस्यों की संख्या कम से कम 10 अधिक से अधिक 16 थी।

#### ⇒ 1909 का मार्ले-मिन्टो एक्ट या भारतीय परिषद अधिनियम

- ❖ 1909 के इस एक्ट की सबसे बड़ी पहचान विशेष साम्प्रदायिक निर्वाचन प्रणाली को लागू करना था।
- ❖ भारतीयों को विधि निर्माण तथा प्रशासन दोनों में प्रतिनिधित्व प्रदान किया गया।
- ❖ मुसलमानों के लिए पृथक मताधिकार तथा पृथक निर्वाचन क्षेत्रों की व्यवस्था की गयी।
- ❖ भारत के वायसराय की कार्यकारिणी परिषद में सर्वप्रथम भारतीय सदस्यों को सम्मिलित किया गया।
- ❖ लार्ड मिन्टो ने पृथक निर्वाचक मण्डल स्थापित करके लार्ड माले को लिखा की “हम नाग के दाँत बो रहे रहे हैं, इसका फल भीषण होगा।”

#### ⇒ 1919 का भारत सरकार अधिनियम

- ❖ इस अधिनियम को माणेग्यु चेम्सफोर्ड सुधार भी कहा जाता है।
- ❖ इस अधिनियम के तहत प्रांतों में आंशिक उत्तरदायी प्रशासन तथा द्वैध शासन की स्थापना की गयी।
- ❖ भारत राज्य सचिव का वेतन अब अंग्रेजी राजा से मिलना तय किया गया।
- ❖ इस अधिनियम के द्वारा सभी विषयों को केन्द्र तथा प्रांतों में बांट दिया गया।
- ❖ केन्द्रीय सूची पर गवर्नर जनरल को अधिकार था इसमें विदेशी मामले, रक्षा, डाक-तार, सार्वजनिक ऋण आदि था।
- ❖ प्रांतीय सूची के विषय में स्थानीय स्वशासन, शिक्षा चिकित्सा, भूमिकर, जल संभरण, अकाल सहायता, कृषि व्यवस्था आदि शामिल किया गया।
- ❖ सभी अवशिष्ट शक्तियाँ केन्द्रीय सरकार के पास थी।
- ❖ सांम्प्रदायिक निर्वाचन प्रणाली का विस्तार करते हुए अब इसमें एलों इण्डियन व सिखों को भी शामिल कर लिया गया।
- ❖ भारत में प्रत्यक्ष निर्वाचन प्रणाली की नींव रखी गयी।

## अध्यास प्रश्न

1. निम्नलिखित में से किस अधिनियम ने केन्द्र में द्वैष शासनस प्रणाली को स्थापित किया?
  - भारत शासन अधिनियम, 1935
  - भारत शासन अधिनियम, 1919
  - भारत परिषद अधिनियम, 1909
  - भारत परिषद अधिनियम, 1892

**Kanoongo Exam (2015)**
2. किस अधिनियम के द्वारा अंग्रेजों ने 'अखिल भारतीय संघ' प्रस्तावित किया था?
  - इंडियन कौन्सिल अधिनियम, 1892
  - भारत सरकार अधिनियम, 1909
  - भारत सरकार अधिनियम, 1919
  - भारत सरकार अधिनियम, 1935
3. भारतीय शासन अधिनियम, 1935 के द्वारा स्थापित संघ में अवशिष्ट शक्तियाँ किसे दी गई थीं?
  - संघीय विधान-मण्डल को
  - गवर्नर जनरल को
  - प्रांतीय विधान मंडल को
  - प्रांतीय राज्यपालों को
4. एक 'संघीय व्यवस्था' और 'केन्द्र' में 'द्वैष शासन' भारत में लागू किया गया था
  - 1909 के अधिनियम द्वारा
  - 1919 के अधिनियम द्वारा
  - 1935 के अधिनियम द्वारा
  - उपर्युक्त में से कोई नहीं
5. निम्नलिखित अधिनियमों में से किस अधिनियम के फलस्वरूप बर्मा भारत से अलग हुआ?
  - इण्डियन कौन्सिल ऐक्ट, 1909
  - गवर्नरेण्ट ऑफ इण्डिया ऐक्ट, 1919
  - गवर्नरेण्ट ऑफ इण्डिया ऐक्ट, 1935
  - इण्डिया इनडेपेन्डेंस ऐक्ट, 1947
6. निम्नांकित में से कौन-सा एक भारत शासन अधिनियम, 1935 में स्वीकार किया हुआ महत्वपूर्ण और स्थायी अवयव नहीं है?
  - देश के लिए लिखित संविधान
  - विधान मंडल के लिए निर्वाचित एवं जवाबदेह प्रतिनिधि
  - एक संघ की योजना पर विचार
  - विधान मंडल के लिए सरकारी सदस्यों का समवाचित (nominate) किया जाना।

7. गवर्नरेण्ट ऑफ इण्डिया ऐक्ट 1935 को 'किसने दासता का एक नया अधिकार पत्र' कहा था?

- महात्मा गांधी
- जवाहरलाल नेहरू
- सरदार पटेल
- राजेन्द्र प्रसाद

**Food & Sanitary Inspector Exam, (2013)**

8. 1935 के अधिनियम में उल्लिखित था :

- प्रांतीय स्वायत्ता
- साम्राज्यिक प्रतिनिधित्व
- संघीय व्यवस्था
- a, b और c सत्य हैं

9. गांधी जी ने भारत छोड़ो आंदोलन कब शुरू किया था?

- 1940
- 1942
- 1945
- 1946

**राजस्व लेखपाल (2015)**

10. किस आंदोलन के लिए महात्मा गांधी द्वारा 'करो या मरो' का नारा दिया गया

- पूर्ण स्वराज आंदोलन
- भारत छोड़ो आंदोलन
- डांडी मार्च (नमक सत्याग्रह) आंदोलन
- खिलाफत आंदोलन

**ग्राम विकास अधिकारी (2016)**

11. महात्मा गांधी ने किस आंदोलन के लिए 'करो या मरो' नारा दिया था?

- असहयोग आंदोलन
- भारत छोड़ो आंदोलन
- सविनय अवज्ञा आंदोलन
- खिलाफत आंदोलन

**विधान भवन रक्षक (2018)**

12. भारत छोड़ो आंदोलन या 'अगस्त आंदोलन', 8 अगस्त 1942 को महात्मा गांधी द्वारा अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के ..... सत्र में चलाया गया एक आंदोलन था।

- सूरत
- मुंबई
- भोपाल
- उज्जैन

**राज्य मण्डी परिषद् (2019)**

13. सुभाष चन्द्र बोस, वर्ष ..... में कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष बने थे।

- 1932
- 1938
- 1941
- 1943

**कानिठ सहायक परीक्षा (2020)**

14. रासबिहारी बोस द्वारा संगठित भारतीय स्वतंत्रता लीग किस संगठन का एक अग्रदूत था?

- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
- भारतीय राष्ट्रीय संघ



- (c) देवदास गांधी (d) मोहनदास गांधी  
कृषि प्राविधिक (2019)

31. गांधीजी के गांव सर्वोदय के आदर्श ने बताया कि एक आदर्श गांव को कुछ शर्तों को पूरा करना होगा। इनमें से क्या शर्तों में नहीं हैं?  
 (a) जाति व्यवस्था को समाप्त किया जाना चाहिए  
 (b) भाईचारे की भावना विकसित करने के लिए पूँजा का स्थान एक दूसरे के बगल में बनाया जाना चाहिए  
 (c) इसमें धर्मशाला और एक छोटा डिस्पेंसरी होना चाहिए  
 (d) यह भोजन और कपड़ों के मामलों में आत्मनिर्भर होना चाहिए

ग्राम विकास अधिकारी (2018)

32. महात्मा गांधी भाप से चलने वाले जहाज एस०एस० सफारी द्वारा दक्षिण अफ्रीका के ..... पहुँचे थे।  
 (a) जोहानसर्बग (b) केपटाउन  
 (c) डरबन (d) पोर्ट एलिजाबेथ

विधान भवन रक्षक (2018)

33. गांधीजी ने जून 1904 में डरबन के बाहर ..... बस्ती नामक एक सामुदायिक क्रियाशील मठ की स्थापना की।  
 (a) रस्किन (b) नटाल  
 (c) प्रिटोरिया (d) फोनिक्स

विधान भवन रक्षक (2018)

34. 1917 में चंपारण सत्याग्रह किस राज्य में प्रारंभ किया गया था?  
 (a) पंजाब (b) उत्तर प्रदेश  
 (c) बिहार (d) हरियाणा

व्यायाम प्रशिक्षक (2018)

35. गांधीजी का नमक-सत्याग्रह आन्दोलन 'दांडी-मार्च' कब प्रारंभ हुआ?  
 (a) 10 मार्च, 1930 (b) 12 मार्च, 1930  
 (c) 4 अप्रैल, 1930 (d) 4 फरवरी, 1922

गन्ना पर्यवेक्षक (2016)

36. महात्मा गांधी को 'राष्ट्रपिता' के नाम से सर्वप्रथम किसने संबोधित किया था?  
 (a) सरदार पटेल (b) जवाहरलाल नेहरू  
 (c) सुभाष चन्द्र बोस (d) बाल गंगाधर तिलक

परिचालक (2015)

37. असहयोग आन्दोलन किस सन में प्रारम्भ हुआ?  
 (a) 1919 ई० (b) 1920 ई०  
 (c) 1921 ई० (d) 1922 ई०

जूनियर इंजीनियर/तकनीकी (2016)

38. असहयोग आन्दोलन कब वापस ले लिया गया?  
 (a) फरवरी 1922 (b) मार्च 1926

- (c) मई 1929 (d) सितंबर 1925  
विधान भवन रक्षक (2018)

39. 'चौरी-चौरा' भारत के किस किस राज्य में है?  
 (a) महाराष्ट्र (b) उत्तर प्रदेश  
 (c) गुजरात (d) बिहार

गन्ना पर्यवेक्षक (2016)

40. चौरी-चौरा घटना कब हुई थी?  
 (a) 13 मार्च, 1922 (b) 5 फरवरी, 1922  
 (c) 3 मार्च, 1922 (d) 5 मई, 1922

राजस्व लेखपाल (2015)

41. चौरा-चौरी की घटना जिसके कारण गांधीजी को अपना असहयोग आन्दोलन बंद करना पड़ा—  
 किस जिले में घटी  
 (a) फैजपुर (b) इलाहाबाद  
 (c) गोरखपुर (d) रायबरेली

UDA/LDA (2015)

42. सविनय अवज्ञा आन्दोलन का मुख्य उद्देश्य क्या था?  
 (a) अगस्त कथन के विरुद्ध  
 (b) गोलमेज सम्मेलन के विरुद्ध  
 (c) विस्टन चर्चिल का प्रतिक्रियावादी उपागम  
 (d) नमक कर के विरुद्ध

राजस्व लेखपाल (2015)

43. सविनय अवज्ञा आन्दोलन की शुरूआत के पहले वायसराय को गांधी जी का 11 सूत्रीय चेतावनी दिया गया था।  
 इन चेतावनियों के सन्दर्भ में क्या सही है?  
 1. रुपया-डॉलर विनियम दर को कम करना।  
 2. भू-राजस्व में 50 प्रतिशत की कमी करना।  
 3. राजनैतिक कैदियों को रिहा करना।  
 (a) 1 और 2 (b) 2 और 3  
 (c) 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

लोअर तृतीय (2016)

44. निम्नलिखित में से कौन एक भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में क्रांतिकारी नेता नहीं थे?  
 (a) चन्द्रशेखर आजाद  
 (b) सूर्यसेन  
 (c) भगत सिंह  
 (d) गोपाल कृष्ण गोखले

व्यायाम प्रशिक्षक (2018)

45. निम्न में से किस शहर में स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद ने ब्रिटिश पुलिस द्वारा घिर जाने पर खुद को गोली मार ली थी?

- |            |              |
|------------|--------------|
| (a) भोपाल  | (b) इलाहाबाद |
| (c) कानपुर | (d) जबलपुर   |
- ग्राम विकास अधिकारी (2018)

46. ब्रिटिश भारत सरकार ने बंगाल के विभाजन को लागू करने के निर्णय की घोषणा कब की थी?
- (a) 7 अगस्त 1905
  - (b) 19 जुलाई 1905
  - (c) 16 अक्टूबर 1905
  - (d) 1 सितम्बर 1905

Lower Exam (2019)

47. निम्नलिखित में से किसने बंगाल के विभाजन (1905) के विरोध में हुए आन्दोलन का नेतृत्व किया था?
- (a) सुरेन्द्रनाथ बनर्जी ने
  - (b) सी०आर०दास ने
  - (c) आशुतोष मुखर्जी ने
  - (d) रवीन्द्रनाथ टैगोर ने

लोअर तृतीय (2016)

48. अंग्रेजों से आजादी के लिए लड़ रहे भारतीयों द्वारा उठाई गई शपथ कि वे सिर्फ भारतीय निर्मित सामानों, विशेष रूप से कपड़े का उपयोग करंगे, को आन्दोलन कहा जाता है।
- (a) भारत छोड़ो
  - (b) विदेशी
  - (c) स्वदेशी
  - (d) होमरूल

व्यायाम प्रशिक्षक (2018)

49. लॉर्ड कर्जन के बंगाल विभाजन के पीछे निम्नलिखित में से कौन एक मकसद नहीं था?
- (a) बंगाली राष्ट्रीयता के मूल पर हमला करना
  - (b) बांटो और शासन करो की नीति
  - (c) ब्रिटिश राज की शक्ति का प्रदर्शन
  - (d) सरकार के प्रशासनिक भार को सहज करना

UDA/LDA (2015)

50. महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका में किस वर्ष में पहुँचे थे?
- (a) 1893
  - (b) 1905
  - (c) 1899
  - (d) 1914

होम्योपैथिक (2019)

51. महात्मा गांधी के किस अमेरिकी जीवनी लेखक ने लिखा था, कि, “असहयोग भारत और गांधी जी के जीवन में एक युग का नाम बन गया।”
- (a) जोसेफ लेलीबेल्ड
  - (b) जोसेफ डॉक
  - (c) लुइस फिशर
  - (d) एरिक फॉनर

Cane Supervisor (2019)

52. महात्मा गांधी ने निम्नलिखित में से किसे अपना राजनीतिक गुरु माना था?

- (a) बाल गंगाधर तिळक
- (b) गोपाल कृष्ण गोखले
- (c) दादाभाई नौरोजी
- (d) बी०आर० अम्डेकर

लोअर प्रथम (2016)

53. महात्मा गांधी किस वर्ष कांग्रेस के अध्यक्ष बने?

- (a) 1921 ई०
- (b) 1922 ई०
- (c) 1923 ई०
- (d) 1924 ई०

जूनियर इंजीनियर/तकनीकी (2016)

54. रंगभेद के कारण महात्मा गांधी को किस वर्ष दक्षिण अफ्रीका के पीटरमरिट्बर्ग रेलवे स्टेशन में प्रथम श्रेणी के रेल-डिब्बे से सामान सहित बाहर फेंक दिया गया था?

- (a) 1890
- (b) 1891
- (c) 1892
- (d) 1893

अमीन परीक्षा (2016)

55. महात्मा गांधी द्वारा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कितने अधिवेशनों का सभापतित्व किया गया?

- (a) तीन
- (b) दो
- (c) एक
- (d) एक भी नहीं

अमीन परीक्षा (2016)

56. निम्नलिखित में से कौन सा गांधीवादी दर्शन का हिस्सा नहीं है?

- (a) अहिंसा
- (b) ब्रह्मचर्य
- (c) व्यवसाय
- (d) सत्याग्रह

व्यायाम प्रशिक्षक (2018)

57. 1917 का ..... सत्याग्रह महात्मा गांधी का पहला सत्याग्रह था और भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन में एक बड़ा विद्रोह था।

- (a) खेड़ा
- (b) भारत छोड़ो
- (c) नागरिक अवज्ञा
- (d) चंपारण

व्यायाम प्रशिक्षक (2018)

58. महात्मा गांधी ने सत्याग्रह सभा की स्थापना ..... में की थी।

- (a) दिसंबर 1920
- (b) मार्च 1918
- (c) फरवरी 1919
- (d) अप्रैल 1921

व्यायाम प्रशिक्षक (2018)

59. महात्मा गांधी ने ..... अर्थव्यवस्था की बकालत की।

- (a) स्थानीय
- (b) केन्द्रीकृत
- (c) विकेन्द्रीकृत
- (d) ग्लोबल

व्यायाम प्रशिक्षक (2018)

व्यायाम प्रशिक्षक (2018)

61. इनमें से कौन सा महात्मा गांधी का आर्थिक विचार नहीं है?

  - (a) गैर हिंसक अर्थव्यवस्था
  - (b) विकेन्द्रीकरण, कुटीर उद्योग
  - (c) मशीनरी और नवीनतम तकनीक का अधिकतम उपयोग
  - (d) गाँवों या गाँव सर्वोदय का पनर्जन्म

ग्राम विकास अधिकारी (2018)



Lower-II (Re-exam) (2019)

63. वर्ष 1904 में किसने क्रांतिकारियों के गोपनीय समिति के रूप में 'अभिनव भारत' का आयोजन किया था?

(a) वी० डी० सावरकर      (b) प्रफुल्ल चाकी  
(c) सचिन सान्याल      (d) रास बिहारी बोस

Lower-II (Re-exam) (2019)

64. गदर आंदोलन के नेता कौन थे?

  - (a) हर दयाल
  - (b) भगत सिंह
  - (c) मैडम कामा
  - (d) श्यामजी कृष्ण वर्मा

Lower Exam (2019)



बोस



କର୍ଜମ

67. मुक्त भारत समाज की स्थापना किसने की?

  - (a) जी० कें० गोखले
  - (b) राजगोपालाचारी
  - (c) वीर सावरकर
  - (d) अरुणा आसफ अली

UDA/LDA (2015)

- 68. निम्नलिखित का मिलान करें—**

- |                       |                            |
|-----------------------|----------------------------|
| I. राम प्रसाद बिस्मिल | 1. लाहौर पट्ट्यंत्र मामला  |
| II. सूर्य सेन         | 2. काकोरी पट्ट्यंत्र मामला |
| III. अरबिन्दो घोष     | 3. चटगाँव शस्त्रागार छापा  |
| IV. भगत सिंह          | 4. अलीपुर बम मामला         |

(a) I-4 II-2 III-3 IV-1      (b) I-2 II-3 III-4 IV-1  
 (c) I-3 II-4 III-1 IV-2      (d) I-4 II-1 III-2 IV-3

UDA/LDA (2015)

69. गदर क्रांति आरंभ होने का सबसे प्रमुख कारण क्या था?

  - (a) प्रथम विश्व युद्ध आरंभ होना
  - (b) करतार सिंह सराभा को फाँसी देना
  - (c) कोमागाता मारू घटना
  - (d) लाला हरदयाल की गिरफ्तारी रंभ होना

राजस्व लेखपाल (2015)

70. चन्द्रशेखर आजाद मुठभेड़ में कहाँ शहीद हुए थे?

लघु सिंचार्ट तिथा (2015)

71. भारत के भीतर और बाहर दोनों में क्रांतिकारी की सक्रिय भूमिका निभाने वाले एकमात्र भारतीय राजकुमार कौन थे?

  - (a) राजा कुंवर सिंह
  - (b) राजा महेन्द्र प्रताप
  - (c) छत्रपति साहू
  - (d) नाना साहेब

UDA/LDA (2015)

72. महाराष्ट्र में 1900 में विनायक दामोदर सावरकर द्वारा स्थापित गुप्त समाज को कहा जाता था—

  - (a) अनुशीलन समिति
  - (b) मित्र मेला
  - (c) डेक्कन शिक्षा समाज
  - (d) सत्य शोधक समाज

UDA/LDA (2015)



राज्य मण्डा पारबद्ध (2019)

74. 18 अप्रैल, 1930 का हुइ चटगाव शास्त्रागार छापे की घटना का नेतृत्व ..... ने किया था जिसमें क्रांतिकारियों ने डपारा में स्थित पुलिस शास्त्रागार पर कब्जा कर लिया था।  
(a) चितरंजन दास

(b) सूर्यसेन

(c) बाधा जतिन

(d) उल्लासकर दत्ता

राज्य मण्डी परिषद् (2019)

75. निम्नलिखित में से किस एक अधिनियम ने भारत में संघीय-शासन की व्यवस्था दी थी?

(a) भारत सरकार अधिनियम, 1909

(b) भारत सरकार अधिनियम, 1919

(c) भारत सरकार अधिनियम, 1935

(d) भारत स्वाधीनता अधिनियम, 1947

UDA/LDA (Pre.) G.S. (2010)

## उत्तरमाला

1.	a	2.	d	3.	b	4.	c	5.	c	6.	a	7.	b	8.	d	9.	b	10.	b
11.	b	12.	b	13.	b	14.	b	15.	d	16.	b	17.	c	18.	c	19.	b	20.	a
21.	a	22.	a	23.	c	24.	b	25.	a	26.	c	27.	c	28.	b	29.	a	30.	d
31.	b	32.	c	33.	d	34.	c	35.	b	36.	c	37.	b	38.	a	39.	b	40.	b
41.	c	42.	d	43.	b	44.	d	45.	b	46.	b	47.	a	48.	c	49.	d	50.	a
51.	c	52.	b	53.	d	54.	d	55.	c	56.	c	57.	d	58.	c	59.	c	60.	a
61.	c	62.	b	63.	a	64.	a	65.	a	66.	b	67.	c	68.	b	69.	a	70.	b
71.	b	72.	b	73.	a	74.	b	75.	c										